www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 114 || लखनऊ
शुक्रवार
24 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
# तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:26
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 28°00

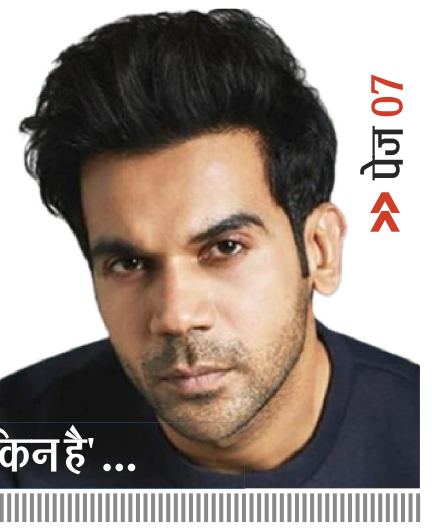

पेज 07

विशेष समाचार | स्व-देखभालः स्वस्थ व्यक्ति ... >>पेज 04 | फंदा लगाकर पुल से लटका... >>पेज 06 | राजकुमार राव 'मोदी है तो मुमकिन है' ...

# नीट पेपर लीक के दोषियों को होगी जल्द सजा

## पीएम मोदी ने किया फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान, बोले- 'युवाओं का भविष्य हमारी...'

**फैसला**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28% है, यानी जितने नए मामले आए, लगभग उतने ही मामलों का निपटारा भी हुआ। हालांकि, नए मामले लगातार दर्ज होने के कारण 2025 के अंत तक 2.45 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग थे, जबकि 2024 के अंत में यह संख्या 2.04 लाख थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जुलाई को NDA संसदीय दल की बैठक में कहा कि NEET पेपर लीक की खबर मिलते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की।

### पीएम ने कहा- युवाओं का हित सर्वोच्च प्राथमिकता

पीएम मोदी ने X पर पोस्ट कर कहा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### फास्ट ट्रैक कोर्ट

1. **फास्ट ट्रैक कोर्ट क्या होते है?**
फास्ट ट्रैक कोर्ट कोई अलग अदालत नहीं होती। सरकार और हाईकोर्ट मौजूदा अदालतों (अक्सर सेशन कोर्ट) में से कुछ को फास्ट ट्रैक कोर्ट की जिम्मेदारी देते हैं। इन अदालतों में अहम और संवेदनशील मामले भेजे जाते हैं, ताकि उनका फैसला जल्दी हो सके।

2. **किन मामलों की सुनवाई होती है?**
- दुष्कर्म और महिलाओं-बच्चों के खिलाफ अपराध।
- हत्या जैसे गंभीर आपराधिक मामले।
- सरकार या हाईकोर्ट की ओर से तय किए गए अन्य संवेदनशील मामले।

3. **इसका क्या फायदा है?**
- मामलों का फैसला जल्दी हो सकता है।
- दोषियों को जल्द सजा मिलने की संभावना बढ़ती है।
- अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों का बोझ कम करने में मदद मिलती है।

4. **फैसले के बाद क्या होता है?**
अगर किसी पक्ष को फैसले पर आपत्ति हो, तो वह तय समय के भीतर हाईकोर्ट में अपील कर सकता है।

### पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और POCSO मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है।

**पीएम ने कहा कि आगे ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं और दोषियों को देश के शीर्ष वकीलों की मदद से कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे।**



# गुरुग्राम-मेदांता के डॉक्टरों के मुताबिक सोनम की हालत स्टेबल

मेडिकल बुलेटिन में कहा-होश में हैं, चिट्ठी के बावजूद सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

गुरुग्राम। थ्री-लेयर सिक्योरिटी के बीच गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांकचुक की हालत स्थिर बनी हुई है।

गुरुवार शाम को अस्पताल के डॉक्टर संजय दुरानी की तरफ से हेल्थ बुलेटिन जारी किया। जिसमें कहा-सोनम की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। वह स्टेबल और अलर्ट हैं। पूरी तरह से होश में हैं।

उनके सभी वाइटल पैरामीटर सामान्य सीमा में हैं। वांगचुक का इलाज उनकी सूचित सहमति के अनुसार जारी है। सोनम वांगचुक के अनशन का आज 26वां दिन है।

वह हाईकोर्ट के आदेश पर दो दिन पहले मेदांता हॉस्पिटल में शिफ्ट किए गए। यहां थ्री-लेयर सिक्योरिटी इंतजाम हैं। करीब 600 जवान तैनात हैं। बुधवार को आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था।

- **मेदांता अस्पताल की ओर से जारी सोनम वांगचुक का हेल्थ बुलेटिन।**
- **गुरुग्राम में मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक ने वीडियो मैसेज जारी किया।**

# कॉकरोच पार्टी को 4 बार बातचीत के लिए बुलाया : डॉ. जितेंद्र सिंह

## सीजेपी ने कहा- बात करनी है तो सरकार जंतर-मंतर आए

**चर्चा**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी यानी CJP के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे में CJP को जेपी नड्डा के घर या ऑफिस पर बातचीत के लिए 4 बार ऑफर भेजा जा चुका है। हालांकि, CJP ने कहा है कि सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या फिर किसी न्यूट्रल जगह पर चर्चा करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने अब 24 जुलाई को देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का ऐलान किया है। 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी NEET पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में 28 जून से शामिल हुए सोनम वांगचुक के अनशन का आज 26वां दिन हैं। वांगचुक फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। यदि बातचीत फिर नड्डा के घर या ऑफिस में होती, तो प्रदर्शन पर BJP के साथ राजनीतिक बातचीत का ठप्पा लग सकता था। CJP प्रदर्शन को लगातार छात्र आंदोलन बता रहा है। ऐसे में वह किसी राजनीतिक दल के दफ्तर में जाकर अपनी निष्पक्ष छवि कमजोर नहीं करना चाहता। जंतर-मंतर या किसी न्यूट्रल वेन्यू पर मिलने से यह संदेश जाएगा कि बातचीत बराबरी की स्थिति में हो रही है।

# 995 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

**"मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में इतना जल संसाधन किसी के पास नहीं है, जितना आपके पास है। इसका सदुपयोग करना होगा। पानी का संरक्षण करना होगा। इसमें बहुत खर्च नहीं है। जो विकास आज गोरखपुर में हो रहा है। यहां के हर विधानसभा क्षेत्र में हो रहा है। हर जगह विकास के काम तेजी से आगे बढ़ा है। हर सांसद, हर विधायक किसी न किसी मंदिर के जीर्णोद्धार के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है।"**

## भाजपा सांसद की चुटकी ली, गोरखपुर में पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया

# अतिक्रमण हटाओ पानी खुद निकलेगा : योगी

- **मुख्यमंत्री ने 429 करोड़ रुपए से बने सिक्सलेन फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।**
- **महिला सशक्तिकरण के तहत मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास का निर्माण चरगांवा ब्लॉक परिसर के पास किया जाएगा। इसकी लागत 47 करोड़ 38 लाख 47 हजार रुपए आएगी।**

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। सीएम योगी ने एक बार फिर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। उन्होंने गुरुवार को गोरखपुर में कहा, मैंने देखा कि एक दिन बारिश हुई थी तो रवि किशन पानी में घुसकर जा रहे थे। मैंने उनसे कहा कि अतिक्रमण हटवा दीजिए, पानी अपने आप निकल जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

### गोरखपुर में विकास हुआ तब रवि किशन ने मकान बनाया

सीएम ने कहा कि दावे के साथ कह रहा हूं कि तब रविकिशन भी यहां जमीन नहीं खरीदते, मकान नहीं बनाते। आज हर व्यक्ति की पहली पसंद है गोरखपुर में जमीन खरीदना और मकान बनाना।

अब लोगों ने निवेश करना भी शुरू कर दिया। सुरक्षा का माहौल बना तो निवेश हुआ। 50 हजार लोगों को केवल गीडा में रोजगारम ला। 2007 से 2017 तक बसपा, सपा व कांग्रेस के गठबंधन ने प्रदेश की 29 चीनी मिलों को बंद किया था। 21 में से 21 को औने-पौने दाम पर बेच दिया। पड़रौना की चीनी मिल पौने दो करोड़ में बेच दी गई। जमीन की ही कीमत 200 करोड़ थी। स्क्रैप से ही 2 करोड़ से अधिक मिलता। नौजवानों को बेरोजगार करने का पाप किया।

**सीएम ने कहा कि अच्छी सरकारें आती हैं तो अच्छा काम होता है। विकास भी होता है, विरासत का भी संरक्षण होता है। यहां मुक्तेश्वरनाथ मंदिर के पुनरोद्धार का कार्य हो गया।**

### पहले नौकरी पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा होता था, अब बिना भेदभाव के चयन

सीएम ने कहा, पहले नौकरी निकलती थी तो सैफई सिंडिकेट का कब्जा होता था। आज नौकरी आती है तो बिना भेदभाव के चयन होता है। गोरखपुर का युवा भी चुना जाता है। लखनऊ में जब मैं पूछता हूं कि कहां से तो बताता है कि गोरखपुर से। मैं खुश होता हूं कि बिना भेदभाव के नौकरी मिल रही है। कांग्रेस व सपा ने नौजवानों के साथ भेदभाव किया।

### सीएम बोले-रवि किशन शूटिंग करते हैं, फ्री में फिल्म नहीं दिखाई

पहले यहां गंदगी थी। आज हर तरफ विकास हुआ। रामगढ़ताल सुंदर हुआ तो रविकिशन ने जमीन खरीदी मकान बनवाया। रविकिशन ने भोज करवाया था। सीएम ने पूछा कितने लोगों ने भोजन किया तो 4 लोगों ने हाथ उठाया। मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि यहां केवल 4 लोग कह रहे हैं कि भोजन कराया और रविकिशन कह रहे थे कि 50 हजार लोगों को भोजन कराया है। पीछे से रविकिशन बोले यह जनता है महाराज जी। 5 विधानसभा से लोग आए थे। इस विकास में रविकिशन का भी थोड़ा योगदान होगा। वो फिल्मों की शूटिंग करते हैं।

### सीएम बोले- आस्था पर प्रहार करने वाले आज राम मंदिर पर सवाल कर रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा 2017 के पहले दंगे होते थे। अराजकता चरम पर थी। याद करिए कि होली, दशहरा, रामनवमी पर दंगा होता था। कांवड़ यात्रा नहीं निकलने देते थे। जन्माष्टमी का आयोजन नहीं होने देते थे। जो आस्था पर प्रहार करते थे, वे आज सबसे बड़े आस्थावान बनने का ठेका ले रखा है।

**फास्ट न्यूज**

### पुलिस जवान ने प्रदर्शनकारियों को धमकाया

मुंबई। मुंबई पुलिस के एक जवान का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देता दिख रहा है। वीडियो मुंबई कांग्रेस ने अपने X हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें प्रदर्शनकारी पुलिस वैन में बैठे हैं। ड्राइविंग सीट पर बैठा जवान उनसे कह रहा है- वापस इधर दिखा।

### महिला कर्मचारी से एयरलाइन कंपनी की ऑफिशियल कैब में रेप

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 37 साल की महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप के मुताबिक ड्यूटी पर जा रही प्राइवेट एयरलाइन की महिला केबिन क्रू मेंबर के साथ उसकी ऑफिशियल कैब के ड्राइवर ने रास्ते में दुष्कर्म किया। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, महिला राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (RGIA) जा रही थी। पुलिस ने 23 साल के आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के तुरंत बाद पीड़िता राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस आउटपोस्ट पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

### संसद में चर्चा से भाग रही कांग्रेस: डॉ. राजीव बिंदल

शिमला। हिमाचल में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मर्यादाओं के उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संसद में चर्चा से बच रही है और सड़क पर अराजकता फैलाकर अपनी राजनीति चमकाना चाह रही है। कांग्रेस संसद में चर्चा से बचकर सड़क पर विरोध-प्रदर्शन के जरिए टकराव का माहौल बना रही है।

# लश्कर के 2 आतंकियों के घर आईईडी लगाकर ढहाए गए

## जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल की हत्या में थे शामिल

**ध्वस्त**

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के दो आतंकियों के घर IED लगाकर ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कॉन्स्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था। भारतीय रिजर्व पुलिस और एसओजी (SOG) से जुड़े हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रुकी हुई थी। दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने आतंकियों ने उन्हें बहुत करीब से निशाना बनाया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं।

# मार्च : जिन छात्रों को खोया, उन्हें याद करेंगे, 2 दिन पहले पीएम आवास घेरा था

# गांधी स्मृति पर राहुल गांधी की 'गांधीगीरी' शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

**"राहुल ने कहा- पेपरलीक के चलते जिन छात्रों को खो दिया है, हम उन्हें याद कर रहे हैं। हमारे छात्र सड़कों पर हैं, इसलिए विपक्ष के सभी सांसदों को लगा कि हमें भी सड़कों पर उतरना चाहिए। इस मार्च के पहले उनके घर पर विपक्षी सांसदों ने बैठक की। इस मार्च के शुरू होने से पहले पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर रखी थी। जगह-जगह बसें और बैरिकेड लगा रखे थे। जैसे ही मार्च शुरू हुआ, उनका रास्ता रोक दिया गया। हालांकि करीब 10 मिनट बाद रास्ता खोल दिया गया।"**

नई दिल्ली। पेपरलीक और छात्रों के प्रदर्शन में लाठीचार्ज के खिलाफ राहुल गांधी ने विपक्ष के नेताओं के साथ गुरुवार शाम को उनके घर से गांधी स्मृति तक मार्च निकाला। उनके साथ शिवसेना (यूबीटी), NCP (एसपी), TMC, JMM, RJD, लेफ्ट, समाजवादी पार्टी और आईयूएमएल के नेता भी शामिल रहे। इससे पहले 21 जुलाई को मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन पर राहुल-प्रियंका समेत कांग्रेस नेताओं ने पीएम हाउस तक मार्च किया था। वहां 2 घंटे तक धरने पर बैठ रहे थे। यह मार्च भी बेहद सीक्रेट रखा गया था। गांधी स्मृति पहले बिड़ला हाउस के नाम से जाना जाता था। महात्मा गांधी ने अपने जीवन के आखिरी 144 दिन यहीं बिताए थे। 30 जनवरी 1948 को प्रार्थना सभा के लिए जाते समय इसी परिसर में नाथूराम गोडसे ने उन्हें गोली मार दी थी। आज भी यहां गांधी जी के अंतिम कदमों के निशान और वह स्थान सुरक्षित है, जहां उन्हें गोली लगी थी। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा- हम ऐसी जिद्दी सरकार को यह क्यों समझाएं, क्या वे कभी गांधी स्मृति गए हैं? इस सरकार में बाहर आकर बात करने की हिम्मत नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमारे छात्र सड़कों पर हैं, इसलिए विपक्ष के सभी सांसदों को लगा कि हमें भी सड़कों पर उतरना चाहिए। विपक्ष के सभी सांसद इंडिया गेट जाना चाहते थे। उन्होंने मना कर दिया और हमें रोक दिया। फिर हमने कहा कि हम तीस जनवरी (गांधी स्मृति) जाना चाहते हैं। उन्होंने बस यहीं खड़ी कर दी है। हम आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, लेकिन छात्रों तक मुख्य संदेश यही है कि हम आपके साथ हैं। राहुल ने कहा- जो हमारे स्टूडेंट हैं, वो सड़क पर हैं। हमने सोचा हम भी सड़क पर उतरें। पहले सोचा इंडिया गेट जाएं मगर उन्होंने जाने नहीं दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

# भारत से दक्षिण-कोरिया तक 7000 किमी लंबी बादलों की बेल्ट

## गुजरात के उमरगाम में 43 इंच बारिश, महाराष्ट्र के पालघर में बाढ़ जैसे हालात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। नई सैटेलाइट इमेज में भारत के हिमालय से दक्षिण कोरिया तक 7 से 10 हजार किलोमीटर लंबी बादलों की बेल्ट दिखाई दे रही है। इससे पूरे देश में भारी बारिश हो रही है। इसी वजह से देश में पिछले 2 दिनों में नॉर्मल से 170-180% बारिश हुई है।

इसे मानसून कन्वर्जेंस जोन कहा जाता है। यह तब बनी जब हिंद महासागर से आई नमी भरी हवाएं एशिया की तरफ आईं। इस वजह से मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात में लगातार 60 घंटे से बारिश हो रही है। गुजरात के दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से बाढ़ के हालात हैं। उमरगाम तालुका में पिछले 24 घंटों में 43 इंच बारिश दर्ज की गई है। इससे निचले इलाके डूब चुके हैं। महाराष्ट्र के तटीय पालघर जिले में बाढ़ के हालात हैं। दहानू और तलासरी तहसीलों के कई गांवों का संपर्क टूट गया है। पश्चिम रेलवे ने एहतियात के तौर पर घोलवड़ और उमरगाम स्टेशनों के बीच रेल यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया है। यूपी में आज 69 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उधर, असम में बाढ़ से 6.53 लाख लोग प्रभावित हैं। 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई। अब तक मृतकों की संख्या 41 पहुंच गई है।

# लैब में पहुंचते ही 28 में से 27 दवाई हो गई असली, कार्रवाई पर सवाल

# एसटीएफ ड्रग्स डिपार्टमेंट ने 72 करोड़ की नकली दवाई पकड़ी

**छापेमारी**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। औषधि विभाग और एसटीएफ ने अगस्त-2025 में आगरा के फव्वारा थोक दवा बाजार में 72 करोड़ रुपए की नकली दवाई पकड़ने का दावा किया था। उन दवाइयों के 28 सैंपल जांच के लिए सेंट्रल लैब में भेज गए थे। उनमें से 27 दवाइयां सही यानी मानक के अनुरूप पाई गईं। सिर्फ 1 दवाई नकली (सब स्टैंडर्ड) पाई गई।

जून 2026 में भी दवाओं की बड़ी खेप पकड़ी गई थी। उनमें से 90 सैंपल जांच के लिए भेज गए हैं। उनकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई है,

**जांच में यह भी सामने आया था कि कुछ दवाओं की सप्लाई संबंधित कंपनी ने उस फर्म को कभी की ही नहीं थी। लखनऊ के अमीनाबाद मेडिसिन मार्केट में भी छापेमारी हुई थी।**

लेकिन 2025 में जांच के लिए भेजी गईं दवाइयों की रिपोर्ट ने दवा कारोबारियों को चौंका दिया है। औषधि विभाग और एसटीएफ की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। छापेमारी के दौरान 28 नमूने केंद्रीय प्रयोगशाला भेजे गए थे। नवंबर में आई रिपोर्ट में 27 नमूने मानक गुणवत्ता वाले पाए गए और केवल निमोनिया की एक दवा अधोमानक निकली। यहीं से पूरा मामला उलझ गया। सवाल उठने लगे कि अगर कंपनियों ने मौके पर दवाओं को नकली बताया था तो लैब में वही दवाएं असली कैसे निकल गईं? विशेषज्ञों का कहना है कि प्रयोगशाला दवा के रासायनिक कंपोजिशन और गुणवत्ता की जांच करती है, जबकि नकली होने का निर्धारण पैकेजिंग, ट्रेडमार्क, बैच नंबर, क्यूआर कोड और सप्लाई चेन की जांच से भी जुड़ा होता है। ऐसे में दोनों जांचों का दायरा अलग हो सकता है।

## एक असली डिब्बे से बनते थे सैकड़ों नकली पैक, ऐसे खुला था खेल

एसटीएफ की जांच में सामने आया था कि गिरोह पहले बाजार से असली दवा का एक पैक खरीदता था। फिर उसी के बैच नंबर और क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर 100 से लेकर 1000 तक नकली डिब्बे तैयार किए जाते थे। जब कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जांच की तो उन्होंने पाया कि सभी डिब्बों पर एक ही क्यूआर कोड इस्तेमाल किया गया है, जबकि असली कंपनियां हर पैक पर अलग क्यूआर कोड जारी करती हैं।

इसी आधार पर दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने दवाओं को फर्जी बताया था। एसटीएफ और औषधि विभाग ने दवा किया था कि कालाबाजारी में माफिया का बड़ा फर्जीवाड़ा पकड़ा है।

छापेमारी के दौरान इस दुकान से भी सैंपल लिए गए थे।

## छापे के वक्त कंपनियों ने खुद कहा था- ये हमारी असली दवाएं नहीं हैं

22 अगस्त 2025 को औषधि विभाग और एसटीएफ ने आगरा के फव्वारा दवा बाजार में हे मां मेडिको, बंसल मेडिकल एजेंसी और उनकी सहयोगी फर्मों के साथ गोल्डन ट्रांसपोर्ट कंपनी पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान कई दवा कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों को मौके पर बुलाया गया था। उन्होंने पैकेजिंग, फॉन्ट, होलोग्राम, बैच नंबर और क्यूआर कोड का मिलान करने के बाद कई दवाओं को फर्जी बताया था। जांच में सामने आया था कि अधिकांश दवाएं पुडुचेरी की अमान फार्मा, मीनाक्षी फार्मा और परम हाउस के नाम पर खरीदी दिखाई गई थीं।

मौके से बड़ी मात्रा में एंटी एलर्जिक दवा एलेग्रा समेत कई ब्रांड की दवाएं बरामद हुई थीं।

# 'उत्तर प्रदेश में आयोजित होगा 'गो-टेक 2026'

तमसा संकेत, संवाददाता

**गो-संरक्षण से गो-आधारित सर्कुलर बायोइकोनॉमी तक - तकनीक, नवाचार और प्राकृतिक कृषि का संगम बनेगा 'गो-टेक'**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी अक्टूबर 2026 में प्रस्तावित चार दिवसीय 'गो-टेक 2026' को प्रदेश में गो संरक्षण, तकनीकी नवाचार, प्राकृतिक कृषि और गो आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले एक बड़े मंच के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी क्रम में आज उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के सभागार, इन्दिरा भवन, लखनऊ में आयोजन की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने की। बैठक में डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व अध्यक्ष राष्ट्रीय कामधेनु आयोग एवं पूर्व अध्यक्ष, गुजरात गोसेवा एवं गौचर विकास बोर्ड की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में डीडी किसान के संस्थापक श्री नरेश सिरोही, बनासकांठा गोमूत्र डेयरी के श्री देवाराम पुरोहित एवं रूरल हब के श्री गौरव गुप्ता सहित आयोग के मा० सदस्यों श्री राजेश सिंह सेंगर, श्री दीपक गोयल एवं श्री रमाकांत उपाध्याय तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में तय किया गया कि 'गो-टेक 2026' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गौशालाओं, किसानों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों को एक मंच पर लाने वाला ज्ञान, तकनीक और नवाचार का साझा प्लेटफॉर्म होगा। इसका उद्देश्य सफल मॉडलों को साझा करने के साथ उन्हें बड़े स्तर पर लागू करने के लिए ठोस और परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करना होगा।

**फास्ट न्यूज**

### छात्रों को पकड़-पकड़कर ले गई पुलिस

लखनऊ । लखनऊ में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को भीम आर्मी से जुड़े छात्रों और पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर एकत्र हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दिल्ली में धरना दे रहे छात्रों की मांगों का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दिल्ली में छात्रों के समर्थन में चल रहे आंदोलन के साथ वे पूरी मजबूती से खड़े हैं।

### लखनऊ में धर्म परिवर्तन को लेकर आधी रात को हंगामा

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज के भरसवा गांव में बुधवार रात धर्मांतरण के आरोप को लेकर ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्रामीणों का आरोप है कि तमिलनाडु से आए कुछ लोग गांव में लोगों को लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बना रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तमिलनाडु से आए पांच लोगों समेत 7 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन लोगों ने कहा कि यदि वे ईसाई धर्म स्वीकार कर चर्च जाना शुरू कर देंगे, तो उनके घर संतान होगी।

### गोमती के पानी में प्रदूषण से सफेद झाग का उफान

लखनऊ। बारिश शुरू होते ही गोमती नदी में प्रदूषण बढ़ गया है। शहर के कई हिस्सों में नदी के ऊपर सफेद झाग की मोटी परत दिखाई देने लगी है। नालों का बिना शोधित पानी तेजी से गोमती नदी में पहुंच रहा है। जिससे नदी का पानी और ज्यादा प्रदूषित हो गया है। लखनऊ के 27 बड़े नाले सीधे गोमती नदी में गिर रहे हैं।

## हुलासखेड़ा का संरक्षण कार्य 175 लाख रुपये की धनराशि से पूरा

तमसा संकेत, संवाददाता

**हुलासखेड़ा को विशिष्ट स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलायी जायेगी**
**--जयवीर सिंह**

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के समीप मोहनलालगंज स्थित प्राचीन स्थल हुलासखेड़ा के संरक्षण, संवर्द्धन एवं पर्यटन विकास हेतु विभिन्न कार्य चरणबद्ध रूप से कराये जा रहे हैं। यह स्थल ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में पर्यटन विभाग द्वारा यहां स्थल विकास कार्य कराये जा रहे हैं, जिसमें ओपेन एम्फीथीएटर, टॉयलेट ब्लॉक, कैफेटेरिया तथा आकर्षक लैण्ड स्केपिंग शामिल है। इस संरक्षित पुरास्थल को एक उत्कृष्ट विरासत के रूप में स्थापित कर पर्यटन के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस संरक्षित प्राचीन स्थल पर पिछले वित्तीय वर्ष में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय लखनऊ द्वारा प्रथम चरण में 175 लाख रुपये की लागत साइट संरक्षण का कार्य पूरा कराया गया है। चालू वित्तीय वर्ष में द्वितीय चरण के अंतर्गत 169 लाख रुपये की विस्तृत परियोजना का डीपीआर तैयार कराया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रथम एवं द्वितीय चरण के संरक्षण कार्य तथा पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे आधारभूत पर्यटन अवसंरचना विकास कार्यों के पूरा होने के उपरान्त हुलासखेड़ा उत्खनन स्थल प्रदेश के प्रमुख पुरातात्विक एवं विरासत पर्यटन स्थलों में एक अलग पहचान स्थापित करेगा। साथ ही शोध, शिक्षा एवं सांस्कृतिक पर्यटन को नई दिशा प्रदान करेगा।

## अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, जौहर यूनिवर्सिटी को बताया शिक्षा का मंदिर

# 'जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की लड़ाई में साथ हैं हम'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश मानता है कि भाजपा आक्रांता की तरह काम कर रही है। इतिहास गवाह है कि विश्वविद्यालयों को तोड़ने वाले कभी अपने नहीं रहे हैं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार नकारात्मकता का नया इतिहास लिख रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार छात्र, नौजवान और शिक्षा विरोधी है। सरकार के एजेंडे में शिक्षा, नौकरी और रोजगार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की मुहिम में समाजवादी पार्टी पूरी तरह साथ है। उन्होंने कहा कि हर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है और इसे बचाने के लिए देशभर के लोगों से सहयोग की अपील की जाएगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को जौहर यूनिवर्सिटी को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार नहीं बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में परीक्षा को लेकर आंदोलन चल रहा है, जबकि रामपुर में शिक्षा को बचाने की लड़ाई चल रही है। जौहर यूनिवर्सिटी को बचाना वहां पढ़ने वाले छात्रों के भविष्य को बचाने जैसा है। इसी उद्देश्य से समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रामपुर पहुंचा और छात्रों की मांगों का समर्थन किया।

### पेपर लीक मामले पर सरकार को घेरा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने नीट परीक्षा लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा लीक सरकार की गलती थी, जिसके कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़ी। उन्होंने मांग की कि सरकार छात्रों और नौजवानों की मांगों को स्वीकार करे। अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, समाजवादी पार्टी सदन में छात्रों की आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा लीक के बाद जिन छात्रों की जान गई है, उनके परिवारों की मांगों को सरकार को पूरा करना चाहिए।

> **अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों में पेपर लीक कराने की प्रतिस्पर्धा चल रही है।**
>
> **उन्होंने कहा कि पेपर अपने आप लीक नहीं हो रहे, बल्कि उन्हें लीक कराया जा रहा है। भाजपा सरकार छात्रों को नौकरी और आरक्षण नहीं देना चाहती।**

## लखनऊ में 6 राज्यों के 35 एजेंट अमेरिकी लोगों को ठगते थे, 4 गिरफ्तार

# मामा-भांजा चला रहे थे ठगी का इंटरनेशनल कॉल सेंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा किया। अमेरिका के नागरिकों को फर्जी एप्पल कस्टमर सपोर्ट अधिकारी बनकर ठगा जा रहा था। पुलिस ने कॉल सेंटर के चार संचालकों को गिरफ्तार किया है। मौके पर मिले 35 कॉलिंग एजेंटों की भूमिका की जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने गुरुवार दोपहर 2:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 22 जुलाई की रात विभूतिखंड थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह जलवा बार के सामने वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से साइबर हाइट बिल्डिंग की चौथी मंजिल स्थित फ्लैट नंबर 420A में फर्जी कॉल सेंटर चलने की सूचना मिली। इसके बाद क्राइम टीम के साथ रात करीब 2:55 बजे छापा मारकर कॉल सेंटर पकड़ा।

### रिश्तेदारों संग गैंग चला रहा था मास्टरमाइंड

पुलिस ने मौके से प्रतापगढ़ निवासी सूरज त्रिपाठी, उसके रिश्तेदार विवेक पांडेय और राहुल त्रिपाठी व मुंबई निवासी तकनीकी विशेषज्ञ आकाश अरुण दत्ता उर्फ रिक्की को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि सूरज पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है, जबकि आकाश फर्जी वेबसाइट और VOIP सिस्टम संचालित करता था।

### ऐसे करते थे अमेरिका के लोगों से ठगी

जांच में पता चला कि गिरोह गूगल पर विज्ञापन के जरिए फर्जी एप्पल कस्टमर सपोर्ट वेबसाइट को प्रमोट करता था। वेबसाइट पर दिए गए नंबर पर अमेरिका से कॉल आने पर VOIP के जरिए कॉल लखनऊ स्थित कॉल सेंटर पहुंचती थी। यहां एजेंट खुद को कस्टमर सपोर्ट अधिकारी बताते थे।

इसके बाद कॉल क्लोजर खुद को FTC या अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट जैसे सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ितों को डराते या लालच देकर गिफ्ट कार्ड, सोना या नकदी के रूप में रकम ऐंठ लेते थे।

# योगी सरकार में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को नया विस्तार

## मंत्री राकेश सचान ने की टेक्सटाइल और अपैरल पार्क योजनाओं की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए योगी सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में गुरुवार को विधानसभा के मुख्य भवन के प्रथम तल स्थित कक्ष संख्या-80 में खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संत कबीर टेक्सटाइल पार्क एवं अपैरल पार्क योजना की प्रगति सहित विभाग की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री सचान ने योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा कर समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वस्त्रोद्योग क्षेत्र की अपार संभावनाओं को देखते हुए योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना आवश्यक है, ताकि उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल एवं अपैरल सेक्टर का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके। मंत्री सचान ने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता उद्योगों के विकास के साथ-साथ अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना है। टेक्सटाइल पार्क और अपैरल पार्क जैसी योजनाएं औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, निवेश को प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, साथ ही कारीगरों और बुनकरों को बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे और क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर विलंब न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और रोजगारपरक माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

**पारदर्शिता : छात्रवृत्ति योजनाओं को मिलेगी डिजिटल गति, हर पात्र विद्यार्थी तक समय पर पहुंचेगा लाभ**

# 'अब और आसान होगी छात्रवृत्ति की राह'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए एक अहम पहल की गई है। समाज कल्याण विभाग और पिरामल फाउंडेशन फॉर एजुकेशन लीडरशिप (PFEL) के बीच गुरुवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह MOU समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण, प्रमुख सचिव समाज कल्याण श्री अनुराग यादव, निदेशक समाज कल्याण श्री संजीव सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पिरामल फाउंडेशन के कोर टीम मेंबर श्री घनश्याम सोनी, श्रीमती अराधना खेतान ने पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी बन सके। छात्रवृत्ति योजनाओं के बेहतर संचालन, निगरानी के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट (PMU) स्थापित होगी।

### पहले चरण में छात्रवृत्ति व्यवस्था होगी और मजबूत

योजनाधिकारी और उपनिदेशक समाज कल्याण श्री आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले चरण में छात्रवृत्ति योजना पर विशेष रूप से कार्य किया जाएगा। छात्रवृत्ति आवेदन से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली से जोड़ा जाएगा, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

> हमारा लक्ष्य केवल तकनीकी सुधार करना नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। इस साझेदारी से विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी। विभिन्न स्तरों पर बेहतर समन्वय स्थापित होगा और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंच सकेगा।
>
> **-असीम अरुण, राज्यमंत्री समाज कल्याण (स्वतंत्र प्रभार)**

### शालीमार अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल से 4 मजदूर गिरे

लखनऊ। लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र स्थित शालीमार गैलेंट अपार्टमेंट में गुरुवार को निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सातवीं मंजिल पर प्लास्टर का काम कर रहे चार मजदूर पाइप टूटने से नीचे गिर गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही महानगर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और राहत-बचाव टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। तहसीलदार सदर जय प्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह कार्य के दौरान पाइप का टूटना सामने आया है। अब तक चार मजदूरों ( छोटू कुमार (28), सुरेंद्र कुमार (45), निक्कू (24), मोनू (25)) के घायल होने की पुष्टि हुई है। सभी घायल मजदूर समस्तीपुर, बिहार के रहने वाले हैं।

# छात्रवृत्ति भुगतान के लिए विस्तृत समय-सारिणी जारी

## ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 अगस्त से शुरू होगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत समय-सारिणी जारी कर दी है। प्रमुख सचिव, समाज कल्याण विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक मास्टर डाटा तैयार कर ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक एवं संबंधित अधिकारी विद्यालयों का सत्यापन, मान्यता, सीटों तथा अन्य विवरणों का प्रमाणीकरण करेंगे। अल्पसंख्यक वर्ग के निजी विद्यालयों की पोर्टल पर मार्किंग की प्रक्रिया भी निर्धारित समय में पूरी की जाएगी।

नवीनीकरण श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं हार्डकॉपी जमा करने की प्रक्रिया 11 अगस्त से 25 अगस्त, 2026 तक चलेगी। विद्यालय स्तर पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, आवेदन सत्यापन एवं अग्रसारण 30 अगस्त तक किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्र संख्या का सत्यापन 31 अगस्त से 10 सितंबर तक तथा एनआईसी द्वारा स्क्रूटनी 11 से 17 सितंबर तक की जाएगी। इसके बाद जिला स्तरीय समिति द्वारा डाटा लॉक, मांग सृजन तथा पीएफएमएस (च्थ्डै) के माध्यम से छात्रवृत्ति की धनराशि का अंतरण चरणबद्ध ढंग से अक्टूबर के अंत तक पूरा किया जाएगा। यदि किसी आवेदन में त्रुटि या संदिग्ध डाटा पाया जाता है तो उसके सत्यापन, पुनः स्क्रूटनी एवं संशोधन के लिए अलग समय-सारिणी भी निर्धारित की गई है।

## कावंड़ यात्रा को लेकर रूट देखे सीसीटीवी से निगरानी होगी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

# बाढ़ की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा

**निरीक्षण**

तमसा संकेत, एजेंसी

*निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवागमन प्रशासन की प्राथमिकता है।*

उन्नाव। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के साथ सदर तहसील के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने परियर गंगा घाट स्थित बाबू बंगला और माना बंगला का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने परियर गंगा घाट जाने वाले मार्ग पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि चार दिन के भीतर अतिरिक्त श्रमिक लगाकर निर्माण कार्य पूरा किया जाए। ऐसा न होने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बाढ़ के समय ग्रामीणों के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पर्याप्त संख्या में मेडिकल टीमें गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी टीमें पूरी तरह सक्रिय रहें और उनके पास एंटी-वेनम के साथ डायरिया, बुखार, खांसी-जुकाम तथा अन्य आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध रहे। उन्होंने बाढ़ के दौरान किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने पर जोर दिया।

### पहले से चिन्हित किए जाएं सुरक्षित शरणालय

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर को निर्देश दिए कि संभावित बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित शरणालयों का पहले से चयन कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है तो लोगों को बिना देरी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। राहत एवं बचाव कार्यों से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए।

### राहत सामग्री और पेयजल की उपलब्धता पर दिया जोर

निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता समय रहते सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन की प्रतिक्रिया त्वरित और प्रभावी होनी चाहिए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### आपसी समन्वय से समय पर पूरी हों सभी तैयारियां

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड, क्षेत्राधिकारी सफीपुर दीपक यादव, उपजिलाधिकारी सदर राजेश कुमार विश्वकर्मा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बाढ़ से निपटने की सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए।

# सरयू नदी खतरे के निशान से 6 सेमी ऊपर

## बाराबंकी में लोग राहत शिविरों की तरफ जाने लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में लगातार हो रही बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से छोड़े जा रहे पानी के कारण सरयू (घाघरा) नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। गुरुवार सुबह एल्गिन ब्रिज पर नदी का जलस्तर 106.130 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 6 सेंटीमीटर ऊपर है। जलस्तर में लगातार वृद्धि के बाद प्रशासन ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों में निगरानी और राहत व्यवस्था को तेज कर दिया है। रामनगर, सिरौलीगौसपुर और रामसनेहीघाट तहसील के तटवर्ती गांवों में नदी के बढ़ते पानी का असर दिखाई देने लगा है। रामनगर तहसील के हेतमापुर, सुंदरनगर, बेलहारी, भलाईपुर, बाबापुर, ललपुरवा, कोड़री और सरसंडा सहित कई गांवों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। गांव के रास्तों पर पानी भरने से ग्रामीणों को दैनिक कार्यों के लिए जलभराव से होकर गुजरना पड़ रहा है।

कुछ परिवार एहतियातन प्रशासन द्वारा स्थापित राहत शिविरों में पहुंचने लगे हैं, जबकि कई ग्रामीण अपने घरों के आसपास अस्थायी व्यवस्था कर आवश्यक सामान सुरक्षित करने में जुटे हैं। केंद्रीय जल आयोग के कनिष्ठ अभियंता मोहम्मद मुस्तकीम ने बताया कि एल्गिन ब्रिज पर सरयू नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है।

**फास्ट न्यूज**

### तेजी से गंगा का जलस्तर घटा

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर घटने से बाढ़ जैसी स्थिति से राहत मिली है। हालांकि, जलस्तर में कमी के साथ ही अब नदी किनारे तेज कटान शुरू हो गई है, जिससे तटवर्ती क्षेत्रों के निवासियों की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, गंगा का जलस्तर लगातार नीचे आ रहा है। बीते सोमवार सुबह आठ बजे जलस्तर 109.980 मीटर दर्ज किया गया था।

### प्रभात मिश्रा बने हरदोई के नए बीएसए

हरदोई। उत्तर प्रदेश शासन ने हरदोई के बेसिक शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए प्रभात मिश्रा को जिले का नया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) नियुक्त किया है। यह आदेश बेसिक शिक्षा अनुभाग-1 की ओर से 23 जुलाई 2026 को जारी किया गया। प्रभात मिश्रा इससे पहले लखनऊ स्थित एससीईआरटी (SCERT), उत्तर प्रदेश में सहायक उप शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत थे। शासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर हरदोई में बीएसए की जिम्मेदारी सौंपी है तथा अविलंब कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

### उन्नाव में लोगों ने खुद हटाया अतिक्रमण

उन्नाव। उन्नाव शहर में पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना के तहत अतिक्रमण हटाने का अभियान गुरुवार को भी जारी रहा। इस कड़ी में कई मकान मालिकों ने अपने मकानों और दुकानों के आगे बने चबूतरे, छज्जे और अन्य निर्माण स्वयं हटा दिए हैं। हालांकि, झंडा चौराहा के आगे के कुछ निवासियों का कहना है कि पीडब्ल्यूडी ने अभी तक उनके भवनों पर स्पष्ट नापजोख और निशान नहीं लगाए हैं।

# डीएम ने जिला पुस्तकालय का किया औचक निरीक्षण

## छात्रों से संवाद कर व्यवस्थाओं का लिया फीडबैक

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा ने गुरुवार को राजकीय जिला पुस्तकालय का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोपहर करीब तीन बजे पहुंचे डीएम ने पुस्तकालय परिसर, अध्ययन कक्ष, कार्यालय कक्ष और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। विद्यार्थियों से मिले फीडबैक के आधार पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अध्ययनरत विद्यार्थियों से बातचीत कर पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं, पढ़ाई के माहौल और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्रों को पूरी लगन और मनोयोग से अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन और अनुशासन बेहद जरूरी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन पुस्तकालय की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

### अनुशासन और प्रवेश व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुस्तकालय में सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित की जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि केवल अधिकृत सदस्यों को ही पुस्तकालय में प्रवेश दिया जाए और प्रवेश के समय सदस्यता प्रमाणपत्र की अनिवार्य रूप से जांच की जाए। साथ ही पुस्तकालय में अनुशासन बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

# पति ने खुद को आग लगाई, पत्नी बचाने में झुलसी

## उन्नाव में जमीन रजिस्ट्री विवाद के दौरान आत्महत्या करने की कोशिश, 40% जला

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के कल्याणी क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के सामने खुद को आग लगा ली। उसे बचाने के लिए दौड़ी पत्नी भी आग की चपेट में आ गई। दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस पूरे विवाद और लगाए गए आरोपों की जांच में जुट गई है। गुरुवार दोपहर कल्याणी क्षेत्र स्थित एक मकान में जमीन की रजिस्ट्री को लेकर परिवार के लोग इकट्ठा हुए थे। घायलों की पहचान घानीखेड़ा गांव निवासी हृदयेश कुमार तिवारी और उनकी पत्नी रानू तिवारी के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार, रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए रानू के भाई, भतीजी और अन्य रिश्तेदार भी गवाही देने पहुंचे थे। इसी दौरान बातचीत के बीच अचानक हृदयेश ने कथित तौर पर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

### बचाने दौड़ी पत्नी भी झुलसी, अस्पताल में चल रहा इलाज

*पति को आग की लपटों में घिरा देखकर रानू तिवारी उसे बचाने के लिए दौड़ीं। इस दौरान उनके हाथ भी बुरी तरह झुलस गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में दोनों का इलाज जारी है। चिकित्सकों के मुताबिक दोनों की हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद अस्पताल में भी परिजनों की भीड़ जुट गई और पूरे परिवार में तनाव का माहौल बना हुआ है।*

### पुलिस ने शुरू की जांच, हर पहलू की होगी पड़ताल

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद और जमीन की रजिस्ट्री से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच की जाएगी। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान, अस्पताल में दर्ज चिकित्सीय रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अस्पताल प्रशासन के अनुसार दोनों घायलों का उपचार जारी है और उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आत्मदाह की कोशिश किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे वास्तविक वजह क्या थी।

**जिला अस्पताल में भर्ती रानू तिवारी ने बताया कि उनकी शादी करीब डेढ़ से दो वर्ष पहले इस शर्त पर हुई थी कि पति उनके नाम एक प्लॉट की रजिस्ट्री कराएंगे। उनका आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बावजूद यह वादा पूरा नहीं किया गया।**

## ओपीडी, पैथोलॉजी और सुविधाओं में कमियां मिलीं, 232 मरीज ओपीडी में पहुंचे

# सीएमएस ने किया महिला अस्पताल का निरीक्षण

- सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार आनंद ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।
- सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार आनंद ने मरीजों से बातचीत करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार आनंद ने गुरुवार सुबह अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, ओपीडी और पैथोलॉजी सहित विभिन्न विभागों में व्यवस्थाओं की समीक्षा की और मरीजों को बेहतर उपचार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार आनंद ने बताया कि वह समय-समय पर अस्पताल का निरीक्षण करते रहते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वे स्वयं भी ओपीडी में पहुंचकर मरीजों की समस्याएं सुनते हैं। निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से यह जांच की गई कि कहीं चिकित्सकों द्वारा मरीजों को बाहर की दवा तो नहीं लिखी जा रही है। इसके अलावा, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का मरीजों के प्रति व्यवहार कैसा है, इसकी भी लगातार निगरानी की जाती है। सीएमएस ने स्पष्ट किया कि मरीजों के साथ सम्मानजनक और व्यवहार कुशल तरीके से पेश आना अस्पताल की प्राथमिकता है। सीएमएस ने अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके तीमारदारों के बैठने की व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ मरीज खड़े मिले, जिसके बाद संबंधित कर्मचारियों को उन्हें तत्काल बैठाने के निर्देश दिए गए। कर्मचारियों ने तुरंत व्यवस्था कर मरीजों को बैठाया। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह निरीक्षण के समय तक महिला अस्पताल की ओपीडी में 232 पर्चे बनाए जा चुके थे, जबकि लगभग 180 टोकन जारी किए गए थे।

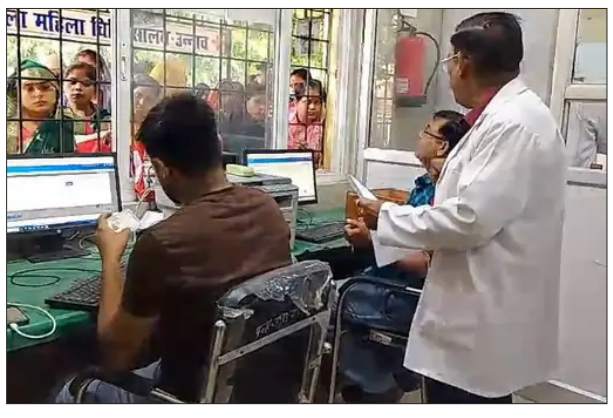

# शिवपाल यादव की टिप्पणी पर सुभासपा ने किया प्रदर्शन

## जातिसूचक टिप्पणी के विरोध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने हरदोई में समाजवादी पार्टी (सपा) नेता शिवपाल यादव की कथित जातिसूचक टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया। पार्टी ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेजकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। यह प्रदर्शन 23 जुलाई को दोपहर 2 बजे हुआ। ज्ञापन में पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित एवं अतिदलित समाज के सम्मान, स्वाभिमान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया गया। सुभासपा ने आरोप लगाया कि वंचित वर्गों के प्रति लगातार जातिसूचक एवं अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर उनके नेता और समर्थक वंचित वर्गों के प्रति आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में शिवपाल यादव द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से आगे बढ़ रहे वंचित समाज के लोगों को कथित तौर पर 'छोटी और नीच जाति' जैसे शब्दों से संबोधित किए जाने का उल्लेख किया, जिससे समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर गरीबों और कमजोर वर्गों को धमकाया जा रहा है, प्रताड़ित किया जा रहा है, संबंधित आपराधिक धाराओं में कार्रवाई, गरीब एवं वंचित वर्गों की जमीनों पर अवैध कब्जों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई, सोशल मीडिया पर जातीय वैमनस्य फैलाने वालों पर साइबर कानूनों के तहत कार्रवाई, पीड़ितों की शिकायतों की पारदर्शी जांच, जिला स्तर पर विशेष निगरानी व्यवस्था तथा जातिवादी मानसिकता और अपमानजनक भाषा के विरुद्ध प्रशासनिक दिशा-निर्देश जारी कर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की मांग की।

# उन्नाव में छात्रों का प्रदर्शन

## केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, तख्तियां लेकर इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए

- छात्र-छात्राओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गुरुवार दोपहर को बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। शहर के जीईसी ग्राउंड में इकट्ठे हुए छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं और इंकलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय, तथा शिक्षा बचाओ जैसे नारे लगाए। उनका आरोप था कि शिक्षा व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर छात्रों की आवाज को लगातार अनसुना किया जा रहा है और सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है। प्रदर्शन में शामिल छात्र राजन ने कहा कि सरकार को छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जाता और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। एक अन्य छात्र कुश सिंह ने बताया कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं है, बल्कि छात्रों के अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देशभर में छात्र अपनी आवाज उठा रहे हैं और उन्नाव के छात्र भी इसी कड़ी में शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं ने सरकार से शिक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की। उनका कहना था कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा व्यवस्था पर छात्रों का भरोसा बना रहे। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

### 9वीं की छात्रा ने फंदा लगाकर दी जान

हरदोई। हरदोई के शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में कक्षा नौ की छात्रा ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार रात हुई इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। हालांकि रास्ते में बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात करीब 2:16 बजे उसकी मौत हो गई। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतका किसान परिवार से थी और अपने माता-पिता की पांच संतानों में चौथे नंबर पर थी। परिजनों के अनुसार, बुधवार शाम गांव के एक युवक का फोन घर आया था। शकरकंद के पौधे मांगने को लेकर बड़ी बहन और युवक के बीच कहासुनी हुई। मां का आरोप है कि इसी युवक के उनकी छोटी बेटी से संपर्क थे और दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। परिजनों के मुताबिक, रात में परिवार के साथ भोजन करने के बाद किशोरी अपने कमरे में चली गई।

# सड़क पर उतरे किसान, किया धान का रोपण

## बाराबंकी में जर्जर सड़क और जलभराव से परेशान ग्रामीणों का अनोखा प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के हरख ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत अजपुरा के मजरे पिपरहा गांव में ग्रामीणों ने जर्जर सड़क और लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। बुधवार शाम ग्रामीण सड़क पर एकत्र हुए और पानी से लबालब भरी सड़क में धान की रोपाई कर प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना था कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अब वह सड़क कम और तालाब ज्यादा नजर आती है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की मुख्य सड़क लंबे समय से क्षतिग्रस्त है। बारिश के बाद पूरी सड़क पानी में डूब जाती है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और किसानों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत के बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत या जल निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए ग्रामीणों ने पानी से भरी सड़क को खेत का रूप देते हुए उसमें धान की रोपाई की। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि जब सड़क पूरी तरह तालाब बन चुकी है, तो यहां वाहन नहीं बल्कि धान की खेती ही की जा सकती है। उनका कहना था कि यह विरोध प्रशासन को गांव की बदहाल स्थिति दिखाने का एक प्रतीकात्मक प्रयास है।

### बच्चों और किसानों को सबसे ज्यादा दिक्कत

ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़क का सबसे ज्यादा असर स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों और रोजाना आने-जाने वाले लोगों पर पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार प्रधान, विधायक, सांसद और प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन आज तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

**ग्रामीणों के मुताबिक, यह सड़क कई वर्षों से खराब पड़ी है। बारिश होते ही सड़क पर इतना पानी भर जाता है कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। जलभराव के कारण पैदल चलना भी जोखिम भरा हो जाता है और लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ती है।**

### 'चुनाव में वादे, बाद में सब भूल जाते हैं'

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि गांव की सड़क बनवाने और विकास के बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद गांव की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं देता। इसी वजह से उन्होंने सड़क पर धान की रोपाई कर जिम्मेदारों का ध्यान खींचने की कोशिश की।

# सम्पादकीय

## चर्चा की प्रतीक्षा में संसद

मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद नहीं चल पाई, क्योंकि कांग्रेस इस पर अड़ गई कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान त्यागपत्र दें, क्योंकि उनके इस्तीफे के बिना संसद में नीट पेपर लीक और इससे जुड़े अन्य विषयों पर सही तरह चर्चा नहीं हो पाएगी। यह विचित्र तर्क है और इसका उद्देश्य जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करना है, जिससे संसद में चर्चा ही न हो सके। उसके इस रवैये से उसकी अंगभीरता का ही पता चलता है।

कांग्रेस का व्यवहार यह भी बता रहा है कि उसका उद्देश्य नीट मसले पर संसद में कोई सार्थक चर्चा करना नहीं, बल्कि हंगामा खड़ा करना है। यही भाव भंगिमा कुछ अन्य विपक्षी दलों की भी दिख रही है। यह भी दिख रहा है कि उनमें इसके लिए होड़ मची है कि कौन छात्र हित की अधिक चिंता करता हुआ दिखे। इस सबकी नौबत इसलिए भी आई, क्योंकि सरकार ने नीट मसले पर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे समूह सीजेपी से समय रहते संपर्क-संवाद करने की आवश्यकता नहीं समझी। उसने यह काम उस दिन किया, जिस दिन संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा था और साथ ही सीजेपी का संसद मार्च भी। यदि सरकार समय पर सक्रिय होती तो संभवतः जो कुछ हुआ और हो रहा है, उससे बचा जा सकता था। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही बनती है, लेकिन उनका इस्तीफा समस्या का समाधान नहीं। ध्यान रहे परीक्षा में सेंध नीट का आयोजन करने वाली एजेंसी एनटीए की निगरानी में कमी के कारण लगी। इस तथ्य की भी अनदेखी न की जाए कि उन्हीं परीक्षकों ने पेपर लीक कराए, जिन पर इस परीक्षा की शुचिता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी। स्पष्ट है कि यह नैतिक पतन और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा का भी मामला है।

इसके खिलाफ भी आवाज उठनी चाहिए। शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र विपक्ष को संतुष्ट भले कर दे, लेकिन इससे परीक्षा व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित नहीं होगा। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने वाले तंत्र का सही तरीके से निर्माण करना है। एनटीए ने ऐसे तंत्र के निर्माण के लिए अभी जो कदम उठाए हैं, वे पर्याप्त नहीं।

विपक्ष को परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने वाले ठोस तंत्र के निर्माण में सरकार को जवाबदेह बनाने के साथ उसका सहयोग भी करना चाहिए। यह तब संभव होगा, जब इस पर संसद में गंभीरता से चर्चा होगी।

संसद के भीतर-बाहर जैसी परिस्थितियां बन गई हैं, उन्हें देखते हुए शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र की संभावना इसलिए नहीं, क्योंकि ऐसा होने पर हर छोटे-बड़े मसले पर संबंधित मंत्री के त्यागपत्र की मांग का सिलसिला कायम हो जाएगा। यह सिलसिला सरकार को कमजोर करने के साथ ही उन तत्वों को बल भी देगा, जो अराजकता पर यकीन करते हैं।

## प्रकृति को महत्ता दे आकृति को नहीं

हमको ज्ञानी संतो की वाणी मिली।वह सत्य और अहिंसा की शक्ती मिली। हम फिर भी भौतिकवाद और उपभोक्तावादी चकाचौंध मे फंस गयें हैं । हम क्यों इतना जानने के बाद समझने के बाद मन मे जीवन में दिशाहीन हैं ??? क्योंकि - हमने खुद को इस संसार की क्षणभंगुरता में जकड़ लिया हैं । वह हमको इससे कोई डर भय नही हैं । यह सही हैं कि प्रायः सबकी यही कहानी हैं । व्यक्ति समाज में सामूहिक जीवन जीता हैं । वहां संगति का भी एक विषय बन जाता हैं कि व्यक्ति किसकी संगति में ज्यादा रहता हैं । दुनिया में मित्र बनाए जाते हैं और फिर उनसे संपर्क का क्रम भी रहता हैं । शास्त्रकार ने एक दिशा निर्देश देते हुए सावधान किया हैं कि संगति, संसर्ग क्षुद्रों की मत करो । वह जिनकी प्रकृति क्षुद्र हैं, आदतें अच्छी नहीं हैं, जीवन में उच्चता नहीं हैं, संस्कार अच्छे नहीं हैं, भाषा का प्रयोग भी जिनका अच्छा नहीं हैं, धर्म , अहिंसा , अध्यात्म , आदि का जीवन में प्रभाव नहीं हैं, उनकी संगति करना अच्छा नहीं होता । इस दुनिया में हम यह नहीं समझें कि कोई भी हालात नहीं समझता हैं । वह कोई हमारे जज्बात नहीं समझता हैं । यह तो हमारी अपनी - अपनी समझ है। कोई कागज पढ़ लेता है तो कोई पूरी किताब नहीं समझता हैं, पर समझदार वह हैं जो इन सबसे तरीके से व्यवहार करता हैं । एक व्यक्ति प्रकृति से अच्छा हो सकता हैं, तो दूसरा व्यक्ति प्रकृति से नीचा हो सकता हैं । आकृति और प्रकृति इन दोनों का महत्त्वांकन करें तो आकृति के आधार पर , कोई विश्लेषण किया जा सकता हैं । किसी व्यक्ति का चेहरा अच्छा हैं परन्तु यदि उसकी प्रकृति क्षुद्र हैं तो उसकी आकृति का कोई महत्व नहीं हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

# स्व-देखभालः स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

> स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है-अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना।

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है। भारत ने हजारों वर्ष पहले ही यह उद्घोष किया था-'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात् शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों का प्रथम साधन है। भारतीय चिंतन ने स्वास्थ्य को केवल शरीर की निरोगता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन को भी स्वास्थ्य का अनिवार्य आधार माना। आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्राणायाम, उपवास, संयम, अहिंसा और सात्त्विक जीवनशैली इसी समग्र दृष्टि के अंग हैं। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म कभी अलग-अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। आज जब संपूर्ण विश्व योग को अपनाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण करना आवश्यक है कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। योग शरीर को स्वस्थ करता है, प्राणायाम मन को संतुलित करता है, ध्यान चेतना को निर्मल बनाता है और अध्यात्म जीवन को दिशा देता है। इसी प्रकार जैन दर्शन का संयम, अहिंसा, प्रेक्षाध्यान और आत्मनिरीक्षण, बौद्ध दर्शन का विपश्यना मार्ग तथा गीता का समत्व योग मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं। भारत की यही आध्यात्मिक परंपरा आज विश्व के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

यदि हम वास्तव में स्व-देखभाल को जीवन का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो हमें इसे केवल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि न मानकर जीवन-दर्शन के रूप में स्वीकार करना होगा। प्रातःकाल का भ्रमण, नियमित योगाभ्यास, ध्यान, स्वाध्याय, आध्यात्मिक प्रवचनों का श्रवण, संतुलित एवं सात्त्विक भोजन, पर्याप्त नींद, डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचाव, प्रकृति के साथ समय बिताना, स्व-संवाद, आत्म-साक्षात्कार तथा प्रतिदिन आत्मचिंतन-ये सभी स्व-देखभाल के ऐसे सूत्र हैं जो व्यक्ति को भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वस्थ बनाते हैं। यह जीवनशैली न केवल रोगों से बचाती है, बल्कि मनुष्य को सकारात्मक, करुणामय और संतुलित भी बनाती है। आज विकसित भारत का जो स्वप्न देश देख रहा है, उसकी आधारशिला केवल आर्थिक प्रगति नहीं हो सकती। यदि राष्ट्र को वास्तव में विकसित बनाना है तो उसके नागरिकों का स्वस्थ, अनुशासित, संस्कारित और जागरूक होना अनिवार्य है। बीमार और तनावग्रस्त समाज कभी समृद्ध राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक होंगे, रचनात्मक होंगे और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। इसलिए स्व-देखभाल को राष्ट्रीय विकास की रणनीति का भी एक महत्त्वपूर्ण अंग बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यस्थलों और सामाजिक संस्थाओं में योग, ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली शिक्षा को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारत आज विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानवता को जीवन जीने की श्रेष्ठ दिशा देना है। भारत ने सदैव दुनिया को अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व, योग और अध्यात्म का संदेश दिया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत 'स्व-देखभाल से विश्वकल्याण'क का नया मंत्र भी विश्व को दे।

**ललित गर्ग**

## जब उपद्रवी तत्व...

अशोक भाटिया

# लोकतांत्रिक आंदोलनों की पवित्रता और 'बाहरी तत्वों' की घुसपैठ का गंभीर खतरा

देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक घमासान का केंद्र बन गया है। हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान जो कुछ भी देखने को मिला, उसने देश के जागरूक नागरिकों, सुरक्षा एजेंसियों और विचारकों को गहरे चिंता में डाल दिया है। किसी भी जीवंत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण असहमति और विरोध प्रदर्शन जनता का मौलिक अधिकार हैं। भारतीय संविधान ने नागरिकों को अपनी मांगों के लिए आवाज उठाने की स्वतंत्रता दी है, लेकिन जब इस स्वतंत्रता की आड़ में अराजकता का नग्न नृत्य होने लगे, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। CJP के हालिया आंदोलन में जिस तरह से सुरक्षा बलों पर पथराव हुआ, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और दो सहायक पुलिस आयुक्तों सहित छह पुलिसकर्मियों को लहूलुहान किया गया, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदर्शन अब अपनी मूल दिशा और वैचारिक मर्यादा से पूरी तरह भटक चुका है। इस घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू दिल्ली पुलिस और स्वयं आंदोलन के आयोजकों का यह साझा दावा है कि इस पूरे प्रदर्शन पर 'बाहरी असामाजिक तत्वों' ने कब्जा कर लिया है। जब आयोजक खुद यह स्वीकार करने लगें कि उनका आंदोलन उनके नियंत्रण से बाहर हो चुका है और कुछ उपद्रवी तत्वों ने इसे हाईजैक कर लिया है, तो यह देश की आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक ताने-बाने के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में यह एक बहुत ही खतरनाक और सोची-समझी परिपाटी बन चुकी है। कोई भी जायज या नाजायज मांग लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन अंततः देशविरोधी, अराजक या विशुद्ध रूप से उपद्रवी तत्वों का चारागाह बन जाता है। आंदोलन चाहे छात्रों का हो, किसानों का हो, या किसी राजनीतिक दल का, उसके मंचों और भीड़ में कुछ ऐसे चेहरे दाखिल हो जाते हैं जिनका आंदोलन के मूल एजेंडे से कोई सरोकार नहीं होता। उनका एकमात्र उद्देश्य भीड़ की आड़ लेकर हिंसा को भड़काना, कानून-व्यवस्था को पंगु बनाना और सरकार के खिलाफ एक हिंसक नैरेटिव तैयार करना होता है। CJP के प्रदर्शन में भी यही रणनीति साफ दिखाई दी, जहां शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने आए आम कार्यकर्ताओं को पीछे धकेलकर पथराव करने वाले चेहरों को आगे कर दिया गया। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में पुलिस या सुरक्षा बल किसी दल विशेष के नहीं, बल्कि देश के कानून और व्यवस्था के रक्षक होते हैं। जंतर-मंतर पर तैनात पुलिसकर्मी वहां किसी का दमन करने नहीं, बल्कि राजधानी की सुरक्षा और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मुस्तैद थे। उन पर सोचे-समझे ढंग से पत्थरों और लाठियों से हमला करना केवल ड्यूटी पर तैनात जवानों पर हमला नहीं है, बल्कि यह देश के कानून के इकबाल को खुली चुनौती है। जब उपद्रवी तत्व कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों को निशाना बनाने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि उनका मकसद अपनी मांगें मनवाना नहीं, बल्कि अराजकता फैलाकर राज्य की व्यवस्था को पंगु बनाना है। दिल्ली पुलिस द्वारा इस मामले में 10 से अधिक एफआईआर दर्ज करना यह दिखाता है कि स्थिति कितनी गंभीर और अनियंत्रित हो चुकी थी। सुरक्षा बलों को आत्मरक्षा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज जैसे सख्त कदम उठाने पड़े, जिसे आयोजकों ने भले ही अमानवीय करार दिया हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि समय रहते बल प्रयोग न किया जाता तो राजधानी एक बड़ी त्रासदी का गवाह बन सकती थी। इस पूरे घटनाक्रम में CJP और आंदोलन के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका और जवाबदेही पर भी बड़े सवालिया निशान खड़े होते हैं। यह तर्क बेहद खोखला और गैर-जिम्मेदाराना है कि ₹उपद्रवी हमारे नियंत्रण से बाहर थे₹ या ₹वे हमारे लोग नहीं थे।₹ जब आप किसी बड़े प्रदर्शन का आह्वान करते हैं और हजारों की भीड़ को एक जगह इकट्ठा होने का आमंत्रण देते हैं, तो उस भीड़ के आचरण की प्राथमिक जिम्मेदारी आपकी होती है। आयोजक केवल तालियां बटोरने और राजनीतिक लाभ लेने के लिए मंच पर नहीं बैठ सकते; उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके बैनर तले कोई असामाजिक तत्व देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ न करे। यदि आंदोलन में कोई 'बाहरी तत्व' घुस आया था, तो आयोजकों ने स्वयं उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले क्यों नहीं किया? उन्होंने समय रहते मंच से ऐसे तत्वों की निंदा क्यों नहीं की और अपने शांतिप्रिय कार्यकर्ताओं को उनसे अलग क्यों नहीं किया?

## उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से संवरती नारी शक्ति और ग्रामीण स्वावलंबन की नई राह

उत्तर प्रदेश में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से गाँव-गाँव तक आत्मनिर्भरता की अलख जगी है, जिससे प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में अप्रत्याशित और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कड़ी में राज्य के विभिन्न जिलों में गठित लाखों स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत धुरी बनकर उभर रहे हैं। इन समूहों से जुड़कर महिलाएँ न केवल अपनी बचत बढ़ा रही हैं, बल्कि सूक्ष्म उद्यम स्थापित कर स्वावलंबन की नई गाथा लिख रही हैं। स्वावलंबी महिलाओं की ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी ग्राम मोहम्मद-पुर धैदा की निवासी नीतू कुंडू की है, जो 'पार्वती महिला ग्राम संगठन' और 'महिला शक्ति क्लस्टर, धैदा' से जुड़ी हुई हैं। एक समय ऐसा था जब साधारण ग्रामीण परिवार से ताल्लुक रखने वाली नीतू कुंडू के समक्ष पारिवारिक आर्थिक तंगी और दैनिक खर्चों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। परंतु उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के आगे हार मानने के बजाय अपनी स्थिति को बदलने का दृढ़ संकल्प लिया।

वर्ष 2021 में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'राधिका स्वयं सहायता समूह' से जुड़कर नीतू कुंडू ने अपने जीवन में स्वावलंबन का एक नया अध्याय प्रारंभ किया। समूह की बैठकों में नियमित सहभागिता और वित्तीय अनुशासन सीखने के उपरांत उनके भीतर छोटी-छोटी बचत करने, आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार स्थापित करने के प्रति अभूतपूर्व आत्मविश्वास जागृत हुआ।

इसी दौरान कृषि विज्ञान केंद्र और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत नीतू कुंडू को खाद्य प्रसंस्करण/विशेषकर स्वादिष्ट अचार एवं मुरब्बा निर्माण का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण में उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ वैज्ञानिक एवं स्वच्छ विधियों से खाद्य सामग्री तैयार करने, उनकी बेहतर पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण की बारीकियों को सीखा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने अपने गृह स्तर से ही छोटे पैमाने पर अचार एवं मुरब्बा बनाने का व्यवसाय प्रारंभ किया। प्रारंभिक अवस्था में संसाधनों की सीमितता के बावजूद उन्होंने अपने निर्मित उत्पादों की शुद्धता, प्रामाणिकता और विशिष्ट स्वाद पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उनके इस समर्पण और गुणवत्तापूर्ण दृष्टिकोण के चलते शीघ्र ही उनके उत्पादों की मांग केवल उनके गाँव तक सीमित न रहकर आसपास के संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों में फैलने लगी। स्वयं सहायता समूह के निरंतर संबल, मार्गदर्शन और प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय एवं तकनीकी सुविधाओं के बल पर नीतू कुंडू का यह लघु प्रयास आज एक अत्यंत सफल और लाभदायक व्यावसायिक उद्यम का रूप ले चुका है। आज उनकी मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे वे न केवल अपने परिवार को सुदृढ़ आर्थिक आधार प्रदान करने में सफल हुई हैं, बल्कि अपने और अपने परिवार के सपनों को भी साकार कर रही हैं।

## जरा हटके

## वर्षों तक सहकारी ...

संजय कुमार

# डिजिटल तकनीक से सशक्त हो रही सहकारिता

## किसानों तक पहुंच रही सहकारी योजनाओं की जानकारी

उत्तर प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लखनऊ स्थित सहकारिता भवन में उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस सेंटर की स्थापना की गई है। यह केवल एक डेटा सेंटर नहीं, बल्कि प्रदेश की लाखों सहकारी संस्थाओं और उनसे जुड़े करोड़ों किसानों को एक साझा डिजिटल मंच पर जोड़ने की अभिनव पहल है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस की अवधारणा को राज्य स्तर पर साकार करते हुए उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना है, जिसने अपना समर्पित सहकारी डेटाबेस सेंटर विकसित किया है।

वर्षों तक सहकारी समितियों से संबंधित सूचनाएं अलग-अलग कार्यालयों, रजिस्टरों और अभिलेखों में बिखरी रहती थीं। किसी समिति की स्थिति, सदस्य संख्या, वित्तीय गतिविधियों अथवा योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने में काफी समय लगता था। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और नीति निर्माण में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इन चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एकीकृत सहकारी डेटाबेस तैयार किया। उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस सेंटर में अब तक प्रदेश की बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों (एम-पैक्स) तथा अन्य सहकारी समितियों का व्यापक डिजिटल डेटा संकलित किया जा चुका है। इसके साथ ही प्रदेश की शीर्ष सहकारी संस्थाओं तथा सहकारिता से जुड़े अन्य विभागों-जैसे गन्ना, दुग्ध, मत्स्य, उद्यान, रेशम, आवास एवं हथकरघा-से संबंधित समितियों का डेटा भी चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जा रहा है। इस प्रकार सहकारिता क्षेत्र की समस्त महत्वपूर्ण सूचनाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है।

डेटाबेस सेंटर की स्थापना से प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसानों को भी प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। अब सहकारी समितियों का रिकॉर्ड अधिक व्यवस्थित, अद्यतन और पारदर्शी हो गया है। योजनाओं की प्रगति की निगरानी, लाभार्थियों की पहचान, समितियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन तथा आवश्यक निर्णय पहले की तुलना में अधिक तेजी और सटीकता से लिए जा रहे हैं। इससे सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ किसानों तक सेवाओं की पहुंच भी मजबूत हुई है।

डिजिटल डेटाबेस के माध्यम से सहकारिता विभाग को विभिन्न सहकारी संस्थाओं का समग्र विश्लेषण करने में सुविधा मिल रही है। किसी भी क्षेत्र में कार्यरत सहकारी समिति की जानकारी, उसकी गतिविधियां, सदस्यता, सेवाएं तथा आवश्यक आंकड़े अब एकीकृत रूप में उपलब्ध होने लगे हैं। इससे भविष्य की योजनाओं का निर्माण वास्तविक आंकड़ों के आधार पर किया जा सकेगा, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग और योजनाओं का अधिक प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा। यह पहल सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। डिजिटल रिकॉर्ड होने से सूचनाओं की उपलब्धता आसान हुई है, अभिलेखों के रख-रखाव में सुधार आया है तथा निर्णय प्रक्रिया अधिक वैज्ञानिक और डेटा आधारित बन रही है। इससे सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि के साथ किसानों का विश्वास भी मजबूत हो रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस सेंटर प्रदेश में डिजिटल परिवर्तन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। यह पहल केवल तकनीकी नवाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा देने और किसानों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आने वाले समय में जैसे-जैसे सहकारिता से जुड़े सभी विभागों और समितियों का डेटा इस प्लेटफॉर्म से जुड़ेगा, यह डेटाबेस प्रदेश के सहकारिता तंत्र को और अधिक सक्षम, प्रभावी तथा भविष्य के लिए तैयार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## पकड़ने के लिए पुलिस दौड़ी, छात्रों पर लाठीचार्ज का विरोध, 70 से ज्यादा नेता हाउस अरेस्ट

# सपा विधायक बैरिकेडिंग हटाकर भागे

**धक्का-मुक्की**

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को सपा विधायक अमिताभ बाजपेई फूलबाग में सत्याग्रह करने जा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे पुलिस काकादेव के उनके घर पहुंच गई और बाहर बैरिकेडिंग कर दी। इसके बावजूद अमिताभ बाजपेई समर्थकों के साथ बाहर निकलने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इसी बीच अमिताभ बाजपेई बैरिकेडिंग हटाकर दौड़ पड़े। हालांकि, पुलिस ने कुछ ही दूरी पर उन्हें रोक लिया। इसके बाद उन्हें पुलिस गाड़ी से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

ले जाया गया, जहां उन्होंने चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहां से पुलिस उन्हें अपनी अभिरक्षा में वापस घर छोड़ आई। अमिताभ बाजपेई ने फूलबाग के गांधी प्रतिमा पर एक दिन का सत्याग्रह करने की घोषणा की थी। इसे देखते हुए फूलबाग के बाहर कई थानों की पुलिस, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और पुलिस अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। सपा के प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। वहीं, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता 48 घंटे से हाउस अरेस्ट हैं। शहर में कांग्रेस और सपा के 70 से ज्यादा नेताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर रखा है। इसके अलावा सपा युवजन सभा के नेता ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंककर विरोध जताया। कानपुर महानगर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता पिछले 48 घंटे से हाउस अरेस्ट हैं। उनके घर के बाहर पुलिस तैनात है और उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। पवन गुप्ता ने कहा- दूसरे दिन भी पुलिस ने मुझे घर से बाहर नहीं निकलने दिया। शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात रखने के संवैधानिक अधिकार को रोकने के लिए प्रशासन

### सपा उपाध्यक्ष ने शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन और उन पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में कानपुर के यशोदा नगर स्थित सैनिक चौराहे पर समाजवादी युवजन सभा के जिला उपाध्यक्ष मलाई यादव ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका। पुतला दहन की आशंका को देखते हुए सुबह से ही नौबस्ता और सेन पश्चिम पारा थाने की पुलिस सैनिक चौराहे पर तैनात थी। इसके बावजूद मलाई यादव पुलिस की नजर बचाकर चौराहे के पास पहुंचे और फुर्ती से पुतले में आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद सेन पश्चिम पारा थाना पुलिस ने मलाई यादव को हिरासत में ले लिया।

### पवन गुप्ता बोले- लोकतंत्र में असहमति अपराध नहीं

पवन गुप्ता ने कहा- लोकतंत्र में असहमति अपराध नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अगर सरकार और प्रशासन विपक्ष और जनप्रतिनिधियों की आवाज़ दबाने की कोशिश करेंगे, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्य, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेगी।

पूरी ताकत लगा रहा है। प्रशासन को अपनी ताकत जनता की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध रोकने में लगानी चाहिए, लेकिन इसके बजाय लोकतांत्रिक आवाज़ों को दबाने का काम किया जा रहा है।

## खंदारी से टाटा गेट तक अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

### नगर निगम ने सीएम के प्रस्तावित रूट पर चलाया अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा को अतिक्रमण मुक्त और स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम ने गुरुवार को खंदारी कैंपस से लेकर टाटा गेट तक व्यापक अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया। जबकि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ 25-26 जुलाई को आगरा में होंगे। वे 26 जुलाई को यूनिवर्सिटी के खंदारी कैंपस में कार्यक्रम में भाग लेने के बाद टाटा गेट से खेरिया हवाई अड्डे तक जा सकते हैं। इसके मद्देनजर नगर निगम ने इस रूट पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। नगर निगम की कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और कई दुकानदार स्वयं ही अपना सामान

हटाते नजर आए। नगर निगम की टीम ने खंदारी कैंपस, खंदारी चौराहा, सिकंदरा-बोदला चौराहा, रामनगर पुलिया तथा टाटा गेट के आसपास सड़क और फुटपाथ पर कब्जा कर लगाए गए ठेले, टिन शेड, काउंटर और अन्य अवैध ढांचों को हटवाया। अभियान के दौरान एक दर्जन से अधिक ठेल-धकेल, टिन शेड और काउंटर जब्त कर नगर निगम के कब्जे में ले लिए गए। कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध भी जुर्माना लगाया गया।

**फास्ट न्यूज**

### भाजपा के बागी पार्षद पवन गुप्ता समेत 11 पर एफआईआर

कानपुर। कानपुर में भाजपा के बागी पार्षद पवन गुप्ता समेत 11 लोगों पर बुधवार की रात 11 बजे नजीराबाद थाना में एफआईआर दर्ज हुई है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने इन सभी के खिलाफ हत्या के प्रयास, डकैती और जातिसूचक टिप्पणी करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित दुकानदार का कहना है कि पुलिस से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने कोर्ट में अपील की थी।

### कानपुर नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक टली

कानपुर। कानपुर नगर निगम की कार्यकारिणी की अहम बैठक गुरुवार दोपहर 12 बजे समिति कक्ष में होनी थी, लेकिन नवीन नगर काकादेव के पार्षद नीरज कुरील के पिता का निधन हो जाने के कारण बैठक स्थगित कर दी गई है। इस बैठक में कुल 9 प्रस्तावों पर चर्चा होनी थी। सबसे ज्यादा प्रस्ताव सड़क, पार्क और चौराहों के नामकरण से जुड़े हैं। बैठक में पिछले एक साल में कराए गए अभियंत्रण, मार्ग प्रकाश, उद्यान, जलकल आदि विभागों के विकास कार्यों पर भी चर्चा होनी थी। पूर्व की कार्यकारिणी समिति के निर्देशों पर कार्रवाई साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था और बीते एक साल में कराए गए विकास कार्यों की समीक्षा की जानी थी।

### यूपी में 10 नदियां उफनाईं, गांव टापू बने

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया है। 2-3 गांव टापू बन गए हैं। कई सड़कें बह गई हैं। घरों में पानी भर गया है। लोगों की जिंदगी छतों पर गुजर रही है। जिनके कच्चे मकान हैं, वे घर छोड़कर हाईवे पर रहने को मजबूर हैं।

## हाईटेंशन तार गिरा, बचाने में पिता की भी जान गई, बलिया में विधायक से लिपटकर रोई बहन

# दरोगा-परीक्षा पास कर चुके 28 साल के युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया। बलिया में करंट लगने से बाप-बेटे की मौत हो गई। बेटा दरोगा की परीक्षा पास कर चुका था। ट्रेनिंग पर जाने वाला था। गुरुवार सुबह 6 बजे पिता-पुत्र अपने खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। तभी ऊपर गुजरा 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर गिर गया। बेटा करंट की चपेट में आ गया। बेटे को तड़पता देखकर पिता बचाने दौड़े। पास पहुंचकर जैसे ही उसे बचाने की कोशिश की, वो भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के खेतों में मौजूद लोग भागकर मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई। मामला जिला मुख्यालय से 13 किमी दूर बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के शहपुरवा गांव का है। हादसे के बाद मौके पर

पहुंचे एक्सईएन पंकज कुमार भारती जर्जर तारों को देखकर लौटने लगे तो गांव के लोगों ने भाजपा विधायक केतकी सिंह को कॉल कर सूचना दे दी। विधायक गांव पहुंचीं और रास्ते से एक्सईएन का हाथ पकड़कर खींचते हुए घटनास्थल पर ले गईं। जर्जर तार को दिखाकर बोलीं- छुआऊं तुमको। तार क्यों नहीं बदले। एक्सईएन सिर झुकाकर खड़े हो गए तो विधायक ने कहा- नालायक हो तुम लोग। सबसे पहले तो तुम्हे इस्तीफ देना चाहिए। शहपुरवा गांव में जनार्दन यादव (58) अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में बेटा राजेश यादव

- भाजपा विधायक एक्सईएन पंकज कुमार भारती को हाथ पकड़कर खींचते हुए घटनास्थल पर ले गईं। कहा- कहां हैं तुम्हारे जेई। बुलाओ सबको।
- विधायक केतकी सिंह से लिपटकर रोती युवक की बहन। इस दौरान विधायक भी भावुक हो गईं।

(28) और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी बबिता (30) की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी सीमा (21) घर में रहती है। पत्नी की आठ साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। जनार्दन रोज की तरह बुधवार सुबह बेटे के साथ खेत में काम करने चले गए। थोड़ी देर बाद दोनों की करंट लगने से मौत हो गई।

# अलीगढ़ में नीट लीक पर कांग्रेस का अर्धनग्न प्रदर्शन

### छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कलेक्ट्रेट पर हंगामा, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

जएगढ़। अलीगढ़ में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने NEET पेपर लीक और छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट पर अर्धनग्न प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यह प्रदर्शन 23 जुलाई 2026 को दोपहर 12:30 बजे हुआ। प्रदर्शन में कांग्रेस की महिला विंग की कार्यकर्ता भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में शिक्षा और रोजगार के मुद्दे गंभीर होते जा रहे हैं, और पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस नेताओं

ने दिल्ली में छात्रों के शांतिपूर्ण मार्च पर हुए लाठीचार्ज को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पढ़ाई और रोजगार की मांग करने वाले युवाओं को लाठियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से छात्रों की मांगों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा। इसमें NEET परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, पेपर लीक में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई और प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली में छात्रों पर कार्रवाई करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। यह प्रदर्शन सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित जिला कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया।

# घर में दफन मिली 85 साल के पिता की लाश

## खोपड़ी समेत पूरी बॉडी गल चुकी थी, प्रतापगढ़ में छोटा बेटा लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में 85 साल के बुजुर्ग का शव घर के अंदर दफना मिला। घर से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने यह बात बुजुर्ग के बेटों को फोन पर बताई। इसके बाद दोनों बेटे घर पहुंचे, तो गेट पर ताला लगा था। पिता और छोटा भाई लापता थे। इसके बाद बेटों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस गेट पर लगा ताला तोड़कर घर के अंदर घुसी, तो पीछे वाले कमरे से तेज बदबू आ रही थी। कमरे के अंदर ही एक कब्र बनी थी। पुलिस ने कब्र खोदकर शव बाहर निकाला, तो बेटों ने कहा- ये तो हमारे पिता हैं। शव की खोपड़ी समेत पूरी बॉडी गल चुकी थी। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला महेशगंज थाना क्षेत्र का गुरुवार सुबह 7 बजे का है। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस टीम जांच के लिए पहुंची।

### पुलिस ने कब्र से मिट्टी हटाई, तो एक हाथ बाहर आ गया

घर पर कोई नहीं था, लेकिन अंदर से तेज बदबू आ रही थी। इसके बाद मैं और संतोष थाने गए। अपने भाई विजय और पिता के लापता होने की रिपोर्ट लिखाई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को ढूंढना शुरू किया। पुलिस जांच करने घर पहुंची, तो पीछे वाले कमरे से बदबू आने पर वहां गई। अंदर एक कब्र बनी थी। पुलिस ने जांच के लिए कब्र के ऊपर से मिट्टी हटाई तो एक हाथ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाया। गड्ढे के आसपास से सबूत इकट्ठा किए और फिर उसे खोदना शुरू किया।

- घर के मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। जांच के लिए पहुंची टीम ने हथौड़े से ताला तोड़ा। इसके बाद लोग अंदर पहुंचे।

### ग्राउंड फ्लोर पर 4 कमरे, आखिरी कमरे में मिला शव

जगदीश द्विवेदी का मकान एक मंजिल बना है। इसकी निचली मंजिल पर 4 कमरे हैं। आखिरी कमरे में जगदीश का शव दफन किया गया था। ऊपरी मंजिल के 2 कमरों में ताला बंद था। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) बृजनंदन राय ने बताया- सीओ सदर मनोज कुमार रघुवंशी और महेशगंज थानाध्यक्ष संदीप कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में दफनाए गए शव को बाहर निकाला गया।

### तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने बेटों को दिल्ली फोन किया

महेशगंज गांव में रहने वाले जगदीश द्विवेदी किसान थे। उनकी पत्नी की मौत कई साल पहले हो गई थी। उनके तीन बेटे हैं- संतोष (40), अजय (38) और विजय (36)। संतोष और अजय दोनों दिल्ली में रहकर काम करते हैं। विजय अपने पिता जगदीश के साथ गांव में ही रहता है।

बेटे अजय ने बताया- 21 जुलाई को मेरे पास पड़ोसियों का फोन आया कि आपके घर से बहुत बदबू आ रही है। इसके बाद हम लोगों ने छोटे भाई विजय और पिता जगदीश को फोन किया। लेकिन, दोनों में से किसी का फोन नहीं उठा। लगातार फोन करने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मैं और संतोष घर आए।

# सपा ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

### राष्ट्रपति के नाम एसीपी को सौंपा ज्ञापन, बोले- छात्रों की मांगें पूरी करे सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर में समाजवादी पार्टी युवजन सभा के पदाधिकारियों ने गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। सपा नेताओं ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि छात्रों की मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन किया जाएगा। सपा युवजन सभा कानपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष अभय पुरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नवशीलधाम चौकी पहुंचकर एसीपी कल्याणपुर दिलीप कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। एसीपी ने ज्ञापन राष्ट्रपति तक भिजवाने का आश्वासन देते हुए सभी से शांति बनाए रखने की अपील की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में कहा

गया कि देश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो उनका इस्तीफा लिया जाए या संवैधानिक प्रक्रिया के तहत उचित निर्णय किया जाए। जिलाध्यक्ष अभय पुरी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना समय की जरूरत है। उन्होंने राष्ट्रपति से मामले को गंभीरता से लेते हुए संविधान और कानून के अनुरूप उचित कार्रवाई करने की मांग की।

**वारदात :** चित्रकूट घूमने आए थे, पहाड़ी पर तीन युवकों ने वनकर्मी बताकर धमकाया, दरिंदगी की

# बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर नीट छात्रा से गैंगरेप

तमसा संकेत, एजेंसी

चित्रकूट। यूपी के चित्रकूट में बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर NEET छात्रा से तीन युवकों ने गैंगरेप किया। पुलिस के मुताबिक, 20 साल की छात्रा 17 साल के बॉयफ्रेंड के साथ पहाड़ी पर बैठी थी, तभी आरोपी पहुंचे। खुद को वनकर्मी बताकर दोनों को धमकाया। बॉयफ्रेंड को बेल्ट से पीटा और उसके हाथ-पैर गमछे से बांध दिए। तीनों छात्रा को घसीटते हुए झाड़ियों में ले गए। दरिंदगी की। वारदात के बाद तीनों भाग गए। बॉयफ्रेंड ने खुद के हाथ-पैर खोले और छात्रा के पास पहुंचा। वह बदहवास थी। बॉयफ्रेंड ने ही फोन करके पुलिस को जानकारी दी। वारदात बुधवार दोपहर 3 बजे देवांगना घाटी जंगल की है। यहां की जिला मुख्यालय से दूरी 12 किमी है। छात्रा चित्रकूट से सटे मध्य प्रदेश

> "बॉयफ्रेंड ने पुलिस को बताया- 2 साल पहले सोशल मीडिया पर मेरी लड़की से दोस्ती हुई थी। कुछ दिन पहले लड़की छुट्टी पर घर आई थी। मैंने उसे घूमने के लिए चित्रकूट बुलाया था। 22 जुलाई (बुधवार) की दोपहर वह चित्रकूट पहुंची। दोपहर 1 बजे बाइक से हम दोनों देवांगना घाटी पहुंचे। वहां पहाड़ी पर बैठकर रील बना रहे थे।

के सतना की रहने वाली है। वह राजस्थान के कोटा में रहकर NEET की तैयारी करती है। उसका बॉयफ्रेंड चित्रकूट का ही रहने वाला है। 12वीं में पढ़ता है। छात्रा दोपहर में चित्रकूट घूमने आई थी। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। एक CCTV में तीनों आरोपी बाइक से जाते दिख रहे हैं। शक के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। गुरुवार दोपहर 2 बजे एडीजी जोन ज्योति नारायण प्रयागराज से चित्रकूट पहुंचे। उन्होंने

### दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा

थाना प्रभारी विवेक सिंह ने बताया- देवांगना घाटी में दुष्कर्म की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई। लड़के को प्राइमरी इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। छात्रा का मेडिकल कराया गया है। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया- छात्रा ने पुलिस को दिए अपने बयान में गैंगरेप की बात कही है। बॉयफ्रेंड नाबालिग है। इसलिए उसका भी मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। शिकायत के आधार पर FIR दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश के लिए मौके के आसपास CCTV और राहगीरों की मदद ली जा रही है। 2 टीमें बनाई गई हैं। सपा के चित्रकूट सदर विधायक अनिल प्रधान ने प्रदेश सरकार और पुलिस-प्रशासन पर हमला बोला।

घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अफसर से अब तक हुई जांच के बारे में पूछा। दोपहर 3 बजे 3 लड़के बाइक से पहुंचे। उन्होंने अचानक बाइक रोक दी और हमसे पूछताछ करने लगे। मेरी गर्लफ्रेंड को बैडटच करने लगे। मैंने विरोध किया, तो मुझे बेल्ट से पीटा। एक लड़के ने मुझे पकड़ लिया। गमछे से हाथ-पैर बांध दिए। बाकी दोनों मेरी गर्लफ्रेंड को धमकाने लगे। कहने लगे कि शोर मचाया तो पहाड़ी से नीचे फेंक देंगे।

# आजम की यूनिवर्सिटी बचाने पहुंचे सपा के 26 विधायक

### 6 दिन से धरना दे रहे छात्रों से मिले, अखिलेश बोले- भाजपा आक्रांता है

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। सपा नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे गुरुवार को 25 विधायकों के साथ रामपुर पहुंचे। उन्होंने जौहर यूनिवर्सिटी के बाहर पिछले छह दिनों से धरना दे रहे छात्रों से मुलाकात की। करीब 10 मिनट तक उनकी बातें सुनीं। माता प्रसाद पांडे यूनिवर्सिटी के अंदर गए। यहां अधिकारियों के साथ करीब 45 मिनट तक बातचीत की। इसके बाद वो कलेक्ट्रेट पहुंचे। डीएम अजय कुमार द्विवेदी से मिलकर उनसे जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण के फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा। सपा का डेलीगेशन

इसके बाद सीधे आजम खान के घर गया है। इससे पहले सपा डेलीगेशन के दौरे को देखते हुए जौहर यूनिवर्सिटी के बाहर भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा। पुलिसकर्मी बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट पहनकर मार्च करते दिखे। रामपुर जेल में बंद आजम खान की यूनिवर्सिटी के 40 में से 38 भवन अवैध घोषित किए गए हैं। इन भवनों का नक्शा पास नहीं कराया गया था। रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) ने 15 जुलाई को यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। बुलडोजर चलाने से पहले यूनिवर्सिटी को 15 दिन का समय दिया गया है।

> अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- देश मानता है, भाजपा आक्रांता है। इतिहास गवाह है कि विश्वविद्यालय तोड़नेवाले कभी अपने लोग नहीं रहे। यूपी की भाजपा सरकार नकारात्मकता का नया इतिहास लिख रही है। शर्मनाक।

# फंदा लगाकर पुल से लटका युवक

## लोगों ने रस्सी से ऊपर खींचा, जेब में मिला सुसाइड नोट

**प्रयास**

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के बसई अरेला थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक युवक द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। अरनौटा पुल पर 24 वर्षीय युवक ने रस्सी का फंदा लगाकर अपनी जान देने की कोशिश की, लेकिन मौके से गुजर रहे राहगीरों की सतर्कता और सूझबूझ से उसकी जान बच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने युवक की जेब से मिले सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। डॉक्टरों

ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

**युवक का आरोप है कि शादी के बाद उसकी पत्नी उसके साथ रह रही थी, लेकिन ससुराल वालों ने उसे भड़काकर उसके खिलाफ कर दिया। इसके बाद उसे लगातार मानसिक तनाव और प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।**

### कर्ज और जमीन को लेकर विवाद का भी किया जिक्र

*सुसाइड नोट में धीरज कुमार ने लिखा है कि उस पर करीब तीन से चार लाख रुपये का कर्ज हो गया था। कर्ज चुकाने के लिए वह अपने हिस्से की एक बीघा जमीन गिरवी रखना चाहता था, जिस पर उसके परिवार के लोग सहमत थे। लेकिन ससुराल पक्ष ने जमीन गिरवी रखने या बेचने का विरोध किया और कहा कि यह उनकी बेटी का भी खेत है, इसलिए इसे किसी भी कीमत पर नहीं बेचने दिया जाएगा।*

- ससुराल पक्ष पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप, कर्ज और जमीन विवाद का किया जिक्र।

### जेब से मिला सुसाइड नोट, ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

पुलिस को युवक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। नोट में युवक ने अपना नाम धीरज कुमार बताया है और आत्महत्या के प्रयास के लिए अपने ससुराल पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। उसने अपनी सास मल्ला देवी, ससुर यशपाल (या चंद्रसैन, जिसकी पुलिस जांच कर रही है) तथा दोनों सालों सत्यवीर और उमेश पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं।

### पुल पर फंदे से लटका युवक, लोगों ने समय रहते बचाया

जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब एक बजे युवक अरनौटा पुल पर पहुंचा और रस्सी का फंदा लगाकर खुद को लटका लिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे लोगों की नजर उस पर पड़ी। लोगों ने बिना देर किए उसे ऊपर खींच लिया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई।

# गोरखपुर में हर महीने लगेगी लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी

## अब नहीं जाना होगा दूसरे शहर, मैक्स हॉस्पिटल के डॉ. देंगे सलाह

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश के मरीजों को लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब बार-बार लखनऊ जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने गोरखपुर में लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की विशेष ओपीडी सेवा शुरू की है।

इस पहल का उद्देश्य गोरखपुर और आसपास के जिलों के मरीजों को उनके शहर के करीब ही विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना है। इस ओपीडी का शुरुआत मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में हेपेटो पैंक्रियाटो बाइलियरी (एचपीबी) एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीक़ी की मौजूदगी में किया गया।

अब हर महीने के पहले रविवार

को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक डॉ. सिद्दीक़ी गोरखपुर के मोहद्दीपुर स्थित शकुंतला हॉस्पिटल में मरीजों को परामर्श देंगे। यहां नए मरीजों के साथ-साथ पहले से इलाज करा रहे मरीजों का फॉलो-अप भी किया जाएगा। डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीक़ी ने बताया कि लिवर और पैंक्रियाज से जुड़ी कई बीमारियां शुरुआत में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाती हैं। ऐसे में लोगों को अक्सर बीमारी का पता तब चलता है, जब वह गंभीर स्थिति में पहुंच जाती है।

उन्होंने कहा कि समय पर जांच और सही इलाज शुरू होने से कई गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है और इलाज के परिणाम भी बेहतर होते हैं। उन्होंने कहा कि इस ओपीडी के जरिए मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह, जरूरी जांच की जानकारी, दूसरी चिकित्सकीय राय और बीमारी के अनुसार इलाज की पूरी योजना एक ही जगह मिल सकेगी। इससे लिवर, पैंक्रियाज, पित्त नली और पाचन तंत्र की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को काफी राहत मिलेगी। जिन मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट जैसी उन्नत चिकित्सा की जरूरत होगी, उन्हें भी समय रहते सही मार्गदर्शन मिल सकेगा।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह विशेष ओपीडी हर महीने आयोजित की जाएगी।

**फास्ट न्यूज**

### राज चौहान हत्याकांड में फरार आरोपी गिरफ्तार

आगरा। ट्रांस यमुना पुलिस ने चर्चित राज चौहान हत्याकांड के फरार आरोपी आर्यन को गिरफ्तार कर लिया है। यह हत्याकांड 23 जनवरी को टेढ़ी बगिया स्थित एसएन स्टे गेस्ट हाउस में हुआ था। आरोपी पिछले छह महीने से पुलिस को चकमा दे रहा था। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आर्यन सीता नगर, रामबाग, थाना एत्माद्दौला का निवासी है। वह इस हत्याकांड में वांछित था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी।

### मुरादाबाद के रामगंगा नदी में दो किशोर डूबे

मुरादाबाद। मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में रामगंगा नदी में नहाने गए दो किशोर बुधवार शाम करीब 6 बजे गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों और गोताखोरों ने तत्काल राहत अभियान चलाया, जिसमें एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश गुरुवार सुबह फिर शुरू की जाएगी। जानकारी के अनुसार, चक्कर का मिलक निवासी 15 साल के फैज पुत्र जहीर आलम और 13 साल के अदनान उर्फ अदू पुत्र इसरार अपने दोस्त फरदीन के साथ बुधवार शाम करीब छह बजे रामगंगा नदी में नहाने पहुंचे थे।

### राया मंडी की जर्जर दुकानों से गिरा मलबा

मथुरा। मथुरा के राया उप अनाज मंडी में जर्जर दुकानों की स्थिति पर मंडी समिति ने संज्ञान लिया है। अब तक मंडी में करीब आधा दर्जन दुकानों की छत के लेंटर से मलबा गिर चुका है।

गनीमत रही कि इस दौरान कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। द्वारा खबर प्रकाशित होने के बाद अधिकारियों ने इस मामले पर ध्यान देना शुरू किया है। मंडी की करीब छह दुकानों की छतों से मलबा गिरने की घटनाएं सामने आई हैं।

# लखीमपुर में तेंदुए ने बच्चे को मार डाला

## गर्दन दबोचकर खेत में ले गया, शोर मचाने पर शव छोड़कर भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर में गुरुवार को 10 साल के बच्चे को तेंदुआ दबोच ले गया। बच्चा बकरी चराने के लिए घर से निकला था। उसी समय अचानक झाड़ियों से निकलकर तेंदुआ उसके गर्दन दबोचकर खेत में ले गया। बच्चे के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े। लोगों को अपनी ओर आता देख खेत में ही बच्चे को छोड़कर तेंदुआ भाग गया। लोगों के पहुंचने तक बच्चे ने दम तोड़ दिया। परिवार को सूचना मिलते ही चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। वन विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। घटना करीब साढ़े 4 बजे पढ़ुआ थाना क्षेत्र के बाबागंज में हुई। जिला मुख्यालय से 65 किलोमीटर दूर बाबागंज गांव में बुद्धा (40) अपनी पत्नी नन्हकिया

(35) और इकलौते बच्चे गोलू (10) के साथ रहते है। गोलू गुरुवार को करीब साढ़े 4 बजे घर से बकरियों को चराने निकला था। गांव के बाहर सुनसान खेतों के किनारे सड़क से बकरियों को ले जा रहा था। उसी समय पास की झाड़ियों से निकले तेंदुए ने उस पर हमल कर दिया। उसके गर्दन को दबोचकर खेतों की ओर तेंदुआ ले गया। गोलू के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। लोगों की आवाज सुनकर तेंदुआ गोलू को छोड़कर वहां से खेतों की ओर भाग गया।

### भारत एनपीके नाम से उर्वरक बिक्री का विरोध

बागपत। बागपत में भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) ने 'भारत एनपीके' नाम से अमोनियम सल्फेट उर्वरक की कथित बिक्री का विरोध किया है। संगठन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि किसानों के हितों की रक्षा की जा सके। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के पदाधिकारी जिलाध्यक्ष सहदेव प्रधान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि बाजार में अमोनियम सल्फेट उर्वरक को 'भारत एनपीके' नाम से बेचा जा रहा है, जिससे किसान भ्रमित हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि पैकेजिंग और नामकरण इस प्रकार किया गया है कि वास्तविक उर्वरक की पहचान करना कठिन हो रहा है। संगठन ने दावा किया कि इस तरह की बिक्री उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की भावना के विपरीत है। किसान यूनियन का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई।

# शराब के नशे में पत्नी का गला घोंटा

## मरा समझकर छोड़कर भागा, महिला की हालत गंभीर, पति गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। यहां शराब के नशे में धुत एक युवक ने अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई करने के बाद रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या करने की कोशिश की। महिला के बेहोश होने पर आरोपी उसे मृत समझकर अपनी बहन के साथ मौके से फरार हो गया। हालांकि समय रहते महिला को अस्पताल पहुंचा दिया गया, जिससे उसकी जान बच गई। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। महिला को बेहोश देखकर आरोपी सोनू तोमर अपनी बहन के साथ घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि दोनों को लगा कि महिला की मौत

हो चुकी है। लेकिन कुछ समय बाद आरोपी की बहन ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया और उसके मायके वालों को घटना की जानकारी दी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। गंभीर रूप से घायल महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, महिला की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और चिकित्सकों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर ट्रांस यमुना थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

### 3 साल पहले हुई थी शादी

*थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की मां की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की शादी करीब 13 साल पहले कालिंदी विहार निवासी सोनू तोमर से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही सोनू शराब पीकर आए दिन पत्नी के साथ मारपीट करता था।*

### घरेलू विवाद के बाद किया जानलेवा हमला

पुलिस के अनुसार, घटना 20 जुलाई की है। आरोपी सोनू तोमर शराब के नशे में घर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पहले पत्नी के साथ मारपीट की और फिर गुस्से में आकर रस्सी से उसका गला घोंट दिया।

### बहन ने अस्पताल पहुंचाया

कुछ देर बाद आरोपी की बहन ने ही घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया और उसके मायके पक्ष को घटना की सूचना दी। इसके बाद पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को 80 फुटा रोड स्थित कांशीराम कॉलोनी के पास से सोनू तोमर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

## आग लगने का सीन क्रिएट किया, मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालकर लाए

# मथुरा जिला अस्पताल में हुई मॉकड्रिल

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। जिला अस्पताल में गुरुवार सुबह आग जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सुबह करीब 9 बजे फायर ब्रिगेड की टीम अस्पताल पहुंची और आग लगने की काल्पनिक स्थिति तैयार कर डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मियों को बचाव एवं राहत कार्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

मॉक ड्रिल के दौरान अस्पताल परिसर में आग लगने का दृश्य तैयार किया गया। इसके बाद कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड की टीम के निर्देशन में मरीजों को सुरक्षित तरीके से वार्डों से बाहर निकालने का अभ्यास किया। इस दौरान यह भी बताया गया कि आपात स्थिति में घबराने के बजाय तय प्रक्रिया का पालन करना

**कर्मचारियों को बताया गया कि आग लगने पर घबराना नहीं है, बल्कि तुरंत मरीजों को सुरक्षित जगह पहुंचाना है और समय रहते आग पर काबू पाने की कोशिश करनी है।**

कितना जरूरी है।

फायर सेफ्टी अधिकारियों ने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में सबसे पहले उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी।

उन्हें बताया गया कि सबसे पहले फायर अलार्म सक्रिय करें, बिजली आपूर्ति बंद कराएं, फायर ब्रिगेड को सूचना दें और मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने को प्राथमिकता दें। फायर सेफ्टी ऑफिसर विनोद शर्मा ने कहा कि आग लगने के बाद शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यदि समय रहते सही निर्णय लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएं तो बड़ी दुर्घटना को टाला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल से कर्मचारियों की तैयारी बेहतर होती है और आपदा के समय नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

### ऐसा अभ्यास होता रहेगा

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में समय-समय पर इस तरह का अभ्यास कराया जाता है। इससे डॉक्टर और कर्मचारी किसी भी आपात स्थिति में घबराते नहीं हैं और मरीजों की सुरक्षा बेहतर तरीके से कर पाते हैं।

### फायर एक्सटिंग्विशर चलाना भी सिखाया

डॉक्टरों और कर्मचारियों को फायर एक्सटिंग्विशर इस्तेमाल करने का तरीका बताया गया। उन्हें यह भी समझाया गया कि आपातकाल में किस रास्ते से मरीजों को बाहर निकालना है और सभी विभागों को मिलकर कैसे काम करना है। कर्मचारियों ने खुद भी फायर एक्सटिंग्विशर चलाकर अभ्यास किया।

# मुड़िया पूर्णिमा मेले की शुरुआत

## 7 दिनों तक चलेगा, 1.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे, सीसीटीवी से निगरानी

- मेला क्षेत्र को 9 सुपर जोन, 22 जोन और 64 सेक्टरों में बांटा गया है।
- 5000 से ज्यादा सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध 470वें राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेले की गुरुवार से शुरुआत हो गई। 23 जुलाई से 29 जुलाई तक चलने वाले इस मेले में देश-विदेश से करीब 1.5 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालु गिरिराज महाराज की 21 किलोमीटर की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। पिछले वर्ष मेले में करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं ने परिक्रमा की थी। इस बार यह संख्या और बढ़ने का अनुमान है। मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए

हैं। पूरे मेला क्षेत्र में 5 हजार से अधिक पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़ प्रबंधन को देखते हुए पूरे मेला क्षेत्र को 9 सुपर जोन, 22 जोन और 64 सेक्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन और सेक्टर में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा के लिए 37 अस्थायी पुलिस चौकियां, 31 वॉच टावर और 54 'गिरिराज मोबाइल' टीमें तैनात हैं। वहीं मानसी गंगा, राधाकुंड सहित प्रमुख जलाशयों पर PAC, SDRF और स्थानीय गोताखोर हर समय निगरानी रखेंगे। मेले की निगरानी के लिए पीडब्ल्यूडी भवन में सेंट्रल कंट्रोल रूम बनाया गया है। पूरे मेला क्षेत्र में 690 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि 3 स्थानों पर ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जाएगी। परिक्रमा मार्ग, दानघाटी मंदिर, मुखारविंद, मानसी गंगा और कस्बे के प्रमुख स्थानों की गतिविधियों पर कंट्रोल रूम से लगातार नजर रखी जाएगी। संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए 24 स्थानों पर रेडियो पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष यातायात डायवर्जन योजना लागू की गई है। मथुरा, छटीकरा और अन्य मार्गों से आने वाले वाहनों के लिए 61 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। परिक्रमा मार्ग पर भीड़ कम रखने के लिए गोवर्धन कस्बे में भारी और व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। मेला अवधि में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 24 चिकित्सा शिविर और 6 मोबाइल स्वास्थ्य टीमें तैनात रहेंगी।

## पृष्ठ 01 का शेष...

### अतिक्रमण हटाओ...

योगी ने कहा, सुना है रवि किशन ने दावत दी थी। कितने लोगों को भोजन कराया? इस पर पांच लोगों ने हाथ उठाए। सीएम हंसते हुए बोले, दोनों हाथ मत उठाइए। इसके बाद एक व्यक्ति ने एक हाथ नीचे कर लिया। इस पर योगी ने चुटकी लेते हुए कहा, यानी चार लोगों को ही खाना खिलाया। इसी बीच, मंच पर मौजूद रवि किशन पीछे से बोले, महाराज जी, पूरे क्षेत्र को भोजन कराया था। सीएम ने गुरुवार सुबह 11 बजे गोरखपुर के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। इसके बाद कुछ दूरी तक फ्लाईओवर पर पैदल चले और शिलापट्ट के पास खड़े होकर तस्वीर खिंचवाई। उन्होंने 995 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। जब आप जागरूक जनप्रतिनिधि चुनते हैं तो ऐसा होता है। जब विकास होता है तो उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इस फ्लाईओवर से इतनी बड़ी आबादी लाभान्वित होगी। अब रुस्तमपुर, आजाद चौक, ट्रांसपोर्टनगर में किसी को जाम में नहीं फंसना होगा। हमारा प्रयास होगा कि सार्वजनिक जमीन पर अतिक्रमण न करें। सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि मैं देख रहा थे कि एक दिन बारिश हुई थी तो रविकिशन पानी में घुसकर जा रहे थे। अपने हाथ से नाली साफ कर रहे थे। मैंने कहा कि अतिक्रमण हटवा दीजिए, पानी निकल जाएगा। सीएम ने अपील की कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना है। घर का कूड़ा सड़क पर या नाली में नहीं फेंकना है। कूड़ा एकत्र करने वाली गाड़ी में दें या डस्टबिन में डालें। नाला व नालियों पर अतिक्रमण न होने दें। यदि कोई नाले पर स्लैब डालकर कब्जा करेगा तो नाली का रास्ता अवरुद्ध हो जाएगा। पानी ओवरफ्लो होकर इधर-उधर भरेगा। उससे मच्छर और बीमारियां आएंगी। जिन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर के राह में बाधा खड़ी की। रामभक्तों पर गोली चलवाई। सुप्रीम कोर्ट में अपने अधिवक्ता खड़े किए विरोध में। जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते थे। जिन्होंने व्यापारी व बेटी के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया। आज जब वे इन मुद्दों पर उपदेश देते हैं तो वह हास्यास्पद लगता है। आज बदलाव आया है क्योंकि डबल इंजन की सरकार है। उसके साथ जब सभी लोग मिलकर काम करते हैं। उन सवालों का समाधान किसी ने निकाला है तो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने निकाला है। हमने यूपी में ही 9 साल में 9 लाख युवाओं को नौकरी दी। सवा तीन करोड़ नौजवान व कारीगर फिरसे रोजगार प्राप्त् कर अपना उद्यम प्रारंभ किए। 65 लाख युवाओं को उद्यमों में नौकरी मिली है। झारखंडी मंदिर के पुनरोत्थन का कार्य हुआ। यहां 429 करोड़ से पुल बना है। कुशीनगर के सांसद विजय दुबे ने नारायणी नदी पर एक ही पुल के लिए 1000 करोड़ ले लिया। जब सांसद सक्रिय होता है तो विकास होता है। 2017 से पहले गीडा में कोई फैक्ट्री लगाने नहीं आता था। गोरखपुर माफिया व मच्छर के लिए बदनाम था। इनके भय से लोग यहां नहीं आना चाहते थे। मच्छरों के नाते ढेर सारी बीमारियां थीं। अब दोनों खत्म। सीएम ने कहा कि यह जो इंफ्रास्ट्रकचर है आवागमन का मार्ग प्रशस्त करने का माध्यम है। आवागमन जितना तेज होगा, उतनी ही तेज गति से प्रगति होगी और प्रगति होगी तो समृद्धि खुद ही होगी। उसे कोई रोक नहीं सकता। आज लखनऊ जाने में सवा तीन घंटे लगते हैं। 7, 8 साल पहले 7 से 8 घंटे लगते थे। आज कुशीनगर जाने में एक घंटा लगता है, इससे पहले ढाई से तीन घंटा लगता था। यह आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुई है। एयर कनेक्टिविटी भी हुई है। कुशीनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना दिया। 14 फ्लाइट गोरखपुर से चल रही है। रविकिशन का पता ही नहीं चलता कि कब यहां हैं कब मुंबई में हैं। 2017 के पहले की सरकारें कान में रूई डालकर सो जाते हैं। युवाओं के साथ सपा व कांग्रेस के लोगों ने जितना अत्याचार किया। जितना शोषण किया, उसको शब्दों में वयक्त करना, इनकी सच्चाई को सबको दिखाना होता है। पहले सैकड़ों बच्चे इंसेफ्लाइटिस से मरते थे। आज हर जिले में मेडिकल कॉलेज हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज गोरखपुर को एक नया उपहार देने के लिए हम सब यहां आए हैं। ट्रांसपोर्टनगर से पैडलेगंज सिक्सलेन फ्लाईओवर और यहीं से देवरिया बाईपास पर फोरलेन फ्लाईओवर पूरा होने पर यह लोकार्पण है। इसकी 2658 मीटर कुल लंबाई है। 50 लाख से एक करोड़ की आबादी इससे सीधे-सीधे लाभान्वित होने वाली है। रविकिशन को नहीं पता है, लेकिन गोरखपुर में श्रमजीवी महिला हॉस्टल का निर्माण शुरू करने जा रहे हैं। 47 करोड़ की लागत से। दरअसल, रविकिशन ने अपने संबोधन में वाराणसी के हॉस्टल का नाम लिया लेकिन गोरखपुर का भूल गए। रविकिशन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गोरखपुर को बड़ी मेहनत से संजोया गया है। जनता का पैसा जनता के बीच आ रहा है। अब विधानसभा का चुनाव नजदीक है। 2 महीने में लुटेरे निकलेंगे। अपनी बिरादरी की बात करेंगे। आप कहिएगा कि जो हमको खिला रहा है, उसी को वोट देंगे। गांव में किसी को घुसने नहीं देना है। आज पानी लग गया उसपर राजनीति कर रहे हैं। शर्म आनी चाहिए। वो लोग कीड़े-मकोड़े की जिंदगी जीने पर मजबूर कर दिए थे। रविकिशन ने कहा कि यह ऐतिहासिक दिन है। सिक्सलेन बन गया। यहां जाम में हम लोग फंसते हैं। 2017 से पहले गोरखपुर का भाग्य ही जाम में था। अब जाम से निजात मिल चुकी है। रविकिशन ने कहा कि जो सड़क जाती है वो निवेश, रोजगार, भविष्य लेकर वापस भी आती है। उन्होंने कहा कि विरोधियों को दिखाओ अपना गोरखपुर। हाल में यूपी कैबिनेट में 18 बड़े प्रस्ताव को हरी झंडी मिली है। 50 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी मिलेगी। विंध्य एक्सप्रेसवे बनेगा। रविकिशन ने कुशीनगर के सांसद विजय दुबे की चुटकी ली। कहा कि वह तिलक लगाकर धोती पहनकर आए हें। कभी कोई तिलक में देखा था इनको। तिलक भी बोझ लग रहा होगा। धोती भी छोटी है। उन्होंने चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें मैंने बुलाया था जन्मदिन पर आए नहीं। उनको किसी ने बता दिया था कि प्याज लहसुन वाला बनाए थे। हम उनके लिए बिना लहसुन प्याज के बनाया था। सांसद रविकिशन शुक्ला ने कहा कि यह गोरखपुर आज वो दिन देख रहा है जो कभी सपने में नहीं सोचा था। जेन-जी इस समय गोरखपुर को देख रहा है। सभी लोग मुख्यमंत्री को धन्यवाद दे रहे हैं। जहां टूटी हुई सड़क, टूटी किस्मत, बदबूदार पानी, इंसेफ्लाइटिस, हत्या, जमीन पर कब्जा के लिए गोरखपुर जाना जाता था, वह धरती आज सिक्सलेन देख रही है। 2017 से पहले कांग्रेस व सपा गोरखपुर को लूट रहे थे। यह गोरखपुर वाले कीड़े-मकोड़े का जीवन जीते थे। यहां के लोग कहते थे कि जिस दिन गोरखपुर छोड़ देंगे, भविष्य बन जाएगा। आज सभी लोग कहते हैं कि आज गोरखपुर में हैं तो करियर यहीं बनेगा।

### गांधी स्मृति पर...

हमें गांधी स्मृति जाने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी के साथ बस में सवार सांसदों में शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एनसीपी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, टीएमसी की महुआ मोइत्रा और सौगत राय, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ मांझी, आरजेडी की मीसा भारती और संजय यादव, सीपीएम के जॉन ब्रिटास, सीपीआई केपी संतोष कुमार, समाजवादी पार्टी के रामजी लाल सुमन और आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर शामिल हैं। राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर करीब 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

उन्होंने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए। राहुल कहा कि नीट पेपर लीक से देश के 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स और उनके परिवार प्रभावित हुए। नीट मामले में किसी भी को सजा नहीं हुई।

इससे पहले गुरुवार सुबह राहुल ने फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाने की बात को 'शिक्षा तंत्र की तबाही' छिपाने की कोशिश करार दिया था।

## मिल्खा के करिश्मे ने भारत को दिलाया पहला गोल्ड, साइना की जीत से पहली बार नंबर-2 बना

# गुलाम देशों के लिए शुरू हुआ था कॉमनवेल्थ गेम्स

**प्रदर्शन**

नई दिल्ली, एजेंसी

**14 अक्टूबर 2010**, दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 'भारत...भारत...' के नारों से गूंज रहा था। बैडमिंटन कोर्ट पर साइना नेहवाल थीं। सामने सिर्फ एक फाइनल नहीं था, बल्कि पदक तालिका में भारत का भविष्य भी था।

अगर साइना र जातीं, तो मेजबान भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाता, लेकिन उन्होंने जीत दर्ज की। भारत का 38वां स्वर्ण पदक आया। कुल पदक 101 हुए और पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक तालिका

में ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरे स्थान पर पहुंच गया। आज भी यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत की यह कहानी 2010 में शुरू नहीं हुई थी, इसकी शुरुआत 76 साल पहले हुई थी, जब 1934 में सिर्फ 6 भारतीय खिलाड़ी पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में उतरे थे। उस वक्त भारत पर अंग्रेजों का शासन था, लेकिन पहलवान राशिद अनवर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम इतिहास में

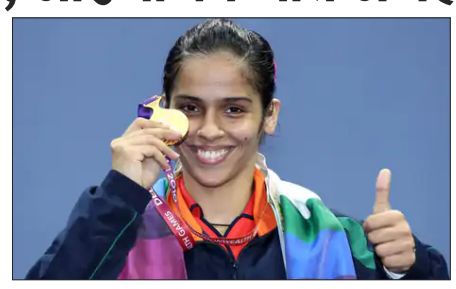

साइना नेहवाल ने 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला एकल का स्वर्ण जीतकर भारत को पदक तालिका में ऐतिहासिक दूसरा स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

**1928 के एम्स्टर्डम ओलिंपिक के दौरान ब्रिटिश साम्राज्य के खेल प्रशासक मिले। यहीं फैसला हुआ कि ओलिंपिक से अलग, हर चार साल में ब्रिटिश साम्राज्य के देशों के लिए अपना एक खेल आयोजन होगा। यही वह फैसला था जिसने कॉमनवेल्थ गेम्स को जन्म दिया।**

दर्ज करा दिया। 1911 में ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम का राज्याभिषेक हुआ। इसी मौके पर लंदन में फेस्टिवल ऑफ एम्पायर आयोजित किया गया। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के खिलाड़ी पहली बार एक ही आयोजन में उतरे। यह आधिकारिक कॉमनवेल्थ गेम्स नहीं थे, लेकिन इतिहासकार इसे कॉमनवेल्थ गेम्स की पहली झलक मानते हैं। यहीं लोगों को एहसास हुआ कि ऐसा आयोजन सफल हो सकता है।

### न सरकार, न राजा एक पादरी का आइडिया

कॉमनवेल्थ की कहानी शुरू होती है 1891 में। ब्रिटिश साम्राज्य अपने चरम पर था। दुनिया की करीब एक-चौथाई आबादी और विशाल भूभाग पर ब्रिटेन का शासन था। तब एक ब्रिटिश पादरी जॉन एस्टली कूपर ने एक ऐसा सपना देखा, जिसने बाद में दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को जन्म दिया।

उन्होंने कहा कि साम्राज्य की ताकत सिर्फ सेना से नहीं, बल्कि लोगों के रिश्तों से भी बढ़ती है। अगर ब्रिटिश साम्राज्य के अलग-अलग देशों के खिलाड़ी एक मैदान पर उतरेंगे तो आपसी भरोसा और भाईचारा मजबूत होगा।

उन्होंने इसका नाम दिया- 'पैन-ब्रिटेनिक फेस्टिवल', लेकिन विचार देना आसान था, उसे सच करना मुश्किल। करीब 20 साल तक यह सपना कागजों में ही पड़ा रहा।

16 अगस्त 1930... कनाडा के छोटे से शहर हैमिल्टन में पहले ब्रिटिश एम्पायर गेम्स शुरू होने वाले थे। लेकिन एक बड़ी समस्या सामने थी। उस समय हवाई यात्रा आम नहीं थी। ज्यादातर खिलाड़ी समुद्री जहाजों से कनाडा पहुंचते थे। कई देशों ने साफ कह दिया कि उनके पास यात्रा का खर्च नहीं है।

# कनाडा में भारतीय छात्रों का वर्क परमिट रिजेक्ट

## कॉलेज बोला- हम इमिग्रेशन का फैसला नहीं बदल सकते

टोरंटो, एजेंसी

कनाडा के कैलगरी में स्थित पोर्टेज कॉलेज ने उन भारतीय छात्रों से कानूनी सलाह लेने को कहा है जो इमिग्रेशन, रिफ्यूजीजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) द्वारा अपना वर्क वीजा रिजेक्ट किए जाने के बाद विरोध कर रहे हैं। कॉलेज का कहना है कि वह इस मामले पर स्पष्टीकरण पाने की कोशिश कर रहा है।

21 जुलाई को वेबसाइट पर शेयर की गई एक अपडेट में कॉलेज ने कहा, रपोर्टेज कॉलेज इस मामले पर स्पष्टीकरण पाने की कोशिश कर रहा है और सही जानकारी देने और नई जानकारी मिलने पर छात्रों को सूचित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।र

कॉलेज ने आगे बताया कि उसने अगले हफ्ते ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ एक फॉलो-अप मीटिंग तय की है। कॉलेज ने कहा,रइस मीटिंग से हमें बातचीत जारी रखने, जहां संभव

हो सवालों के जवाब देने और कोई भी नई जानकारी मिलने पर उसे शेयर करने का मौका मिलेगा।

हजारों भारतीय छात्रों ने पोर्टेज कॉलेज के बिजनेस मैनेजमेंट डिप्लोमा प्रोग्राम में हिस्सा लिया था। अपना प्रोग्राम पूरा करने के बाद छात्रों ने पोस्ट-ग्रेजुएट वर्क परमिट (PGWP) के लिए अप्लाई किया लेकिन IRCC ने उनके एप्लीकेशन यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिए कि उनके प्रोग्राम इसके लिए योग्य नहीं थे। विरोध कर रहे छात्रों का तर्क है कि उसी कॉलेज और उन्हीं प्रोग्राम के दूसरे छात्रों को 7 जुलाई से पहले PGWP मंजूरी मिल चुकी है।

# कोविड में पीपीई किट के पैसों से उड़ाई मौज, खरीदी पोर्श रोलेक्स

## ब्रिटेन में भारतीय मूल के पति-पत्नी दोषी करार

लंदन, एजेंसी

UK में भारतीय मूल के एक कपल ने COVID महामारी के दौरान पर्सनल प्रोटेक्टिक इक्विपमेंट (PPE) देने के झूठे दावों का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी तरीके से फंड लॉन्ड्रिंग करने का दोषी पाया गया है। जोगेश भंडारी (59) और मीनाक्षी भंडारी (58) को धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में दोषी ठहराया गया है।

उनके सहयोगी 43 साल के क्रेग मॉरिस को भी 2020 और 2021 के कपल की कंपनी की ओर से कई धोखाधड़ी वाले सौदों में शामिल होने का दोषी पाया गया है। तीनों को 21 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी।

UK की नेशनल क्राइम एजेंसी NCA के ऑपरेशन्स मैनेजर पॉल बोनिफेस ने कहा, COVID-19 महामारी दुनिया के लिए अनिश्चितता का समय था, और PPE इक्विपमेंट

की जरूरत अचानक बढ़ गई थी। इससे भंडारी और मॉरिस जैसे धोखेबाजों को बिजनेस को टारगेट करने और अपनी जेबें भरने का मौका मिला। NCA के मुताबिक, भंडारी 2020 में महामारी के दौरान नाइट्राइल ग्लव्स खरीदने और बेचने के लिए बनाई गई एक कंपनी का मालिक था। उसने संभावित सप्लायर्स को 125 मिलियन डॉलर तक के नकली बैंक स्टेटमेंट और अटेस्टेशन लेटर दिए ताकि बिज़नेस को उसके साथ ट्रेड करने के लिए मनाया जा सके। एजेंसी ने बताया कि भंडारी की पहली धोखाधड़ी नवंबर 2020 में शुरू हुई, जब वह 12 मिलियन बॉक्स ग्लव्स देने की डील पर सहमत हुआ। कंपनी ने एस्क्रो अकाउंट में पेमेंट किया, लेकिन पैसे डील पूरी होने तक न रखकर तुरंत भंडारी और अन्य कंपनियों को ट्रांसफर कर दिए गए।

# ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे

## ईडी का जुर्माना रद्द, आईपीएल का पैसा विदेश भेजने का केस, बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को IPL 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े FEMA मामले में फैसला सुनाया था। इसमें

मोदी को राहत देते हुए ED के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया था। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है और वह इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं।

ललित मोदी ने कहा,ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि वह BCCI की ओर से FEMA के तहत कानूनी

ललित मोदी IPL के संस्थापक, पहले चेयरमैन और पहले कमिश्नर रहे हैं।

अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे और न ही उनके पास वह वित्तीय अधिकार थे, जिनका ED ने दावा किया था। इससे 2009 के दक्षिण अफ्रीका IPL से जुड़े सबसे बड़े कानूनी मामले का अंत हो गया। ED ने 2018 में ललित मोदी पर 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस आदेश के खिलाफ अलग-अलग अपील दायर की थीं। अब 16 जुलाई के फैसले में ट्रिब्यूनल ने उन आदेशों में बड़ा बदलाव करते हुए ललित मोदी समेत कई पक्षों को राहत दे दी।

### भारत से दक्षिण अफ्रीका पैसे भेजने का मामला था

यह मामला 2009 में IPL को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय लोकसभा चुनाव के कारण सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट किया गया था। इसके आयोजन के लिए BCCI ने दक्षिण अफ्रीका में करीब 243.45 करोड़ रुपए भेजे थे।

बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने आरोप लगाया कि यह रकम भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) का उल्लंघन हुआ। ED ने 2011 में नोटिस जारी किया और 2018 में ललित मोदी समेत BCCI के कुछ पूर्व अधिकारियों पर जुर्माना लगाया था।

लोकसभा चुनाव के चलते IPL 2009 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। टाइटल डेक्कन चार्जर्स ने जीता था।

### ट्रिब्यूनल बोली- ललित व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं

ललित मोदी ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने ED की सबसे अहम दलील ही खारिज कर दी, जिससे पूरे मामले का आधार बदल गया। उनके मुताबिक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि दक्षिण अफ्रीका भेजी गई रकम 'करंट अकाउंट ट्रांजैक्शन' थी, न कि 'कैपिटल अकाउंट ट्रांजैक्शन'। इसलिए इसके लिए RBI की पहले से मंजूरी लेना जरूरी नहीं था।

**मनोरंजन**

# राजकुमार राव 'मोदी है तो मुमकिन है' गाने पर घिरे

## बोले- आप प्रेशर नहीं समझ सकते, मेरी आत्मा बिकाऊ नहीं, फिर कमेंट डिलीट किया

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर राजकुमार राव साल 2025 में आए राजनीतिक प्रमोशनल गाने 'मोदी है तो मुमकिन है' को लेकर विवादों में आ गए हैं। दिल्ली में NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में राजकुमार ने एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखी थी। इसके बाद यूजर्स ने उन्हें पुराने गाने की याद दिलाते हुए ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर के कमेंट का जवाब देते हुए राजकुमार ने लिखा कि वे उनके दबाव के बारे में सोच भी नहीं सकते। हालांकि, बाद में उन्होंने

अपना यह कमेंट डिलीट कर दिया। अब इस कमेंट के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

राजकुमार राव ने NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के समर्थन में देरी से पोस्ट की। इस पोस्ट के बाद लोगों ने उन्हें देर से बोलने और राजनीतिक गाने 'मोदी है तो मुमकिन है' में काम करने के लिए ट्रोल करना शुरू कर दिया।

## सलमान खान ने प्रोटेस्ट पर कहा- राजनीतिक रंग न दें, ये शिक्षा का मुद्दा, आलिया बोलीं- वे अपने लिए नहीं लड़ रहे

# 'आंदोलन का हिंसक होना बेहद दुखद'

नई दिल्ली, एजेंसी

लंबी चुप्पी के बाद फिल्म इंडस्ट्री से जंतर-मंतर में छात्रों के साथ हुई हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने वाले सलमान खान पहले सुपरस्टार बन चुके हैं। उन्होंने न सिर्फ छात्रों के साथ हुई हिंसा की कड़ी निंदा की, बल्कि उनके विरोध प्रदर्शन को सही करार दिया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द ही उनका साथ देगी और शिक्षा व्यवस्था में बेहतरी होगी। साथ ही एक्टर ने कहा कि ये सिर्फ छात्रों और शिक्षा का मुद्दा है इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश नहीं करना चाहिए।

सलमान खान ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने स्कूल के दिनों की एक तस्वीर शेयर कर लिखा-यह एक बेहद शांतिपूर्ण

### इच्छा है कि शिक्षा ही अगला ट्रेंड बने- सलमान खान

अपनी लंबी-चौड़ी पोस्ट के आखिर में सलमान ने लिखा है, 'मेरी इच्छा है कि शिक्षा ही अगला ट्रेंड और फैशन बने। हर साल पढ़ाई को लेकर लोगों का उत्साह और बढ़े। इतना कि बाहर से लोग भारत में पढ़ने आएं और भारत ही एजुकेशन हब बने।

### आलिया भट्ट ने लिखा- वे सिर्फ अपने लिए नहीं लड़ रहे

सलमान खान के बाद अब आलिया भट्ट ने भी स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर पोस्ट शेयर की है। उन्होंने भावुक अंदाज में लिखा है-पिछले कुछ दिनों ने मेरा दिल बार-बार तोड़ा भी है और फिर उम्मीद के सहारे उसे जोड़ भी दिया है। हर उस स्टूडेंट के पीछे, जो अपने हक के लिए डटकर खड़ा है, एक सपना है, एक परिवार की उम्मीद है और अनगिनत त्यागों से भरा एक सफर है। वे सिर्फ अपने लिए नहीं लड़ रहे, बल्कि उन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जिन्होंने उन पर भरोसा किया है। साथ ही वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर रास्ता भी तैयार कर रहे हैं।

आंदोलन था। यह देखकर बहुत दुख होता है कि इसे हिंसक मोड़ लेना पड़ा। इस आंदोलन में घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।पेपर लीक एक बहुत गंभीर मुद्दा है। यह देखकर खुशी होती है कि हमारे देश के छात्र बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग के लिए एकजुट होकर सामने आए हैं और उनके माता-पिता ने भी उनका साथ दिया है।

# हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने बेरोजगार रहीं कृति

## स्टारकिड्स ने छीने बड़े रोल, जिस किरदार पर सवाल उठे, उसी ने दिलाया नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

पहले रैंप शो के बाद मैं ऑटो में बैठकर पूरे रास्ते रोती रही थी... पहले फोटोशूट के बाद भी घर जाकर रोई थी। हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने काम नहीं मिला। कई बार ऐसा हुआ कि जिस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया, आखिर में वह किसी स्टार किड को मिल गई। कई-कई महीने तक कोई ऑडिशन नहीं आता था। मैं मां को दिन में दस-दस बार फोन करके रोती थी।

आज कृति सेनन बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उनके नाम नेशनल अवॉर्ड, कई सुपरहिट फिल्में और अपना प्रोडक्शन हाउस है। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता रिजेक्शन, अकेलेपन, तानों और आत्मविश्वास की लड़ाई से होकर गुजरा है। यह कहानी उस लड़की

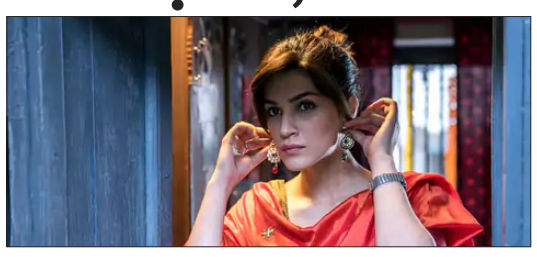

बरेली की बर्फी के बाद कृति सेनन ने 15 महीने तक कोई फिल्म शूट नहीं किया।

की है, जिसने कभी एक्टिंग का सपना नहीं देखा था, लेकिन रास्ता चुना तो पीछे मुड़कर नहीं देखा।

कृति के पास प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उनकी छोटी बहन नूपुर ने घर पर ही कुछ तस्वीरें खींचीं।

आज उन तस्वीरों को देखकर कृति खुद हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, आज भी जब वो तस्वीरें देखती हूं तो हंसी आती है कि कितनी अजीब थीं।उन्होंने वही तस्वीरें एक वेबसाइट पर चल रहे फ्रेश फेस कॉन्टेस्ट में भेज दीं। इनाम था- मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी से मुफ्त पोर्टफोलियो शूट। कृति को सिर्फ इतना पता था कि डब्बू रत्नानी से फोटोशूट महंगा होता है। फैशन और मॉडलिंग की दुनिया के बारे में उन्हें कुछ भी नहीं मालूम था।

किस्मत ने साथ दिया...वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। यहीं से मॉडलिंग का पहला कॉन्ट्रैक्ट मिला और फिल्मों तक जाने वाली राह खुली।

### दिल्ली की इंजीनियरिंग स्टूडेंट, जिसने सपनों के दम पर बॉलीवुड तक का सफर तय किया

कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ। उनके पिता राहुल सेनन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर रह चुकी हैं। उनकी छोटी बहन नूपुर सेनन भी अभिनय और सिंगिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। कृति ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), आर.के. पुरम से की। इसके बाद जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की।

### बी.टेक के दौरान एक सलाह ने बदल दी जिंदगी

इंजीनियरिंग के दौरान एक दिन किसी ने कृति से कहा, रतुम्हारी हाइट अच्छी है, मॉडलिंग क्यों नहीं ट्राय करती?पहली प्रतिक्रिया थी- नहीं... ये मेरे बस की बात नहीं। लेकिन फिर उन्होंने सोचा कि कोशिश करने में नुकसान नहीं है। अगर कुछ नहीं हुआ, तो कम से कम कॉन्फिडेंस बढ़ जाएगा।

**कृति सेनन ने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में उनका पूरा ध्यान पढ़ाई पर रहता था। वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन बेहद शर्मीली भी थीं। वह कहती हैं,"मुझे स्टेज पर जाने से भी डर लगता था। डांस करना पसंद था, लेकिन एक्टिंग, थिएटर या ड्रामा में मैंने कभी हिस्सा नहीं लिया। फिल्मों में आने का तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था।"**

**स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। जिंदगी तय रास्ते पर चल रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही लड़की आगे चलकर बॉलीवुड की बड़ी स्टार बनेगी।**

# ईरान का मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमला

## भगदड़

## दावा- जॉर्डन में थाड डिफेंस सिस्टम तबाह, कुवैत में ड्रोन ठिकाने को निशाना बनाया

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। सेना ने जॉर्डन और कुवैत में US बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागी हैं।

IRGC ने दावा किया कि जॉर्डन में तैनात अमेरिकी THAAD (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा कुवैत में अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन के ऑपरेशन बेस पर भी हमला किया गया। ईरान का कहना है कि ये कार्रवाई हाल के अमेरिकी हमलों के जवाब में की गई है।

ट्रम्प की ईरान में बमबारी की धमकीः ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के पुलों और बिजली घरों

पर बमबारी करेगा। इनमें तेहरान के अंदर मौजूद ठिकाने भी शामिल होंगे।

हूती विद्रोहियों की धमकी- सऊदी पोर्ट से दूर रहें जहाजः यमन के ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों ने शिपिंग कंपनियों को सऊदी अरब के बंदरगाहों से दूर रहने की धमकी दी है। उन्होंने कहा अगर नहीं माना तो हमला होगा।

### ईरान समझौते के लिए गिड़गिड़ा रहा है

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान समझौता करने के लिए गिड़गिड़ा रहा है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान सम्मेलन के दौरान रुबियो ने आगे कहा कि ईरान जब भी कोई समझौता करता है, तो या तो उसे तोड़ देता है या फिर उसकी शर्तें बदल देता है।

**इससे पहले अमेरिका ने बुधवार रात ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है।**

### अमेरिकी हमले नहीं रुके तो नई रणनीति अपनाएंगे

ब्रिगेडियर जनरल अकरामिनिया ने कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के दक्षिणी इलाकों के बुनियादी ढांचे और तटीय क्षेत्रों पर हमले जारी रखता है तो ईरान नई सैन्य रणनीतियां और नए ऑपरेशनल प्लान लागू करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते (MoU) का उल्लंघन किया है।

अकरामिनिया ने यह भी कहा कि ईरानी सशस्त्र बल अमेरिकी आक्रामक कार्रवाई के जवाब में हमले कर रहे हैं। उनके मुताबिक, रजब तक अमेरिका हमारे देश के बुनियादी ढांचे और तटीय क्षेत्रों पर हमले करता रहेगा, हमारी जवाबी कार्रवाई भी जारी रहेगी।

### इराकी पीएम आधिकारिक दौरे पर ईरान रवाना

इराक के प्रधानमंत्री अली फालेह अल-ज़ैदी आधिकारिक दौरे पर बगदाद से ईरान की राजधानी तेहरान के लिए रवाना हो गए हैं। इस दौरे में दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

इराकी सरकार के प्रवक्ता हैदर अल-अबूदी ने बताया कि तेहरान में होने वाली बैठक के एजेंडे में प्राकृतिक गैस सहयोग और क्षेत्रीय घटनाक्रम प्रमुख विषय होंगे। ईरान ने संभावित जमीनी हमले को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल अकरामिनिया ने कहा कि यदि दुश्मन ने जमीनी रास्ते से हमला किया तो उसे भारी नुकसान और ज्यादा सैनिक हताहत झेलने पड़ेंगे।

## भारतीय मूल की अमेरिकी सैनिक के मारे जाने की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) के अनुसार, जॉर्डन में एक बेस पर ईरानी हमले में भारतीय मूल की अमेरिकी सैनिक एंजेला रामप्रसाद के मारे जाने की आशंका है। रक्षा विभाग ने कहा कि 25 वर्षीय आर्मी सार्जेंट के बारे में माना जाता है कि 17 जुलाई, 2026 को जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर दुश्मन के हमले के दौरान उनकी मौत हो गई। साथ ही विभाग ने कहा कि घटना की जांच चल रही है।

बयान में कहा गया है कि पहले उन्हें लापता बताया गया था और बाद में उनकी स्थिति को ड्यूटी स्टेटस - ठिकाना अज्ञात और मृत माने जाने में बदल दिया गया।

रामप्रसाद गुयाना से आए भारतीय समुदाय से थीं, और उनके पिता की पहचान स्थानीय डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बासदेव रामप्रसाद के रूप में हुई है। पेंटागन ने कहा कि वह न्यूयॉर्क शहर के क्वींस बरो के ओजोन पार्क इलाके की रहने वाली थीं, जहां भारतीय मूल के गुयानावासियों का एक बड़ा समुदाय रहता है।जर्मनी के एन्सबाख में 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड में तैनात रामप्रसाद जॉर्डन में ड्यूटी पर थीं, जब ईरान ने मुवाफक साल्टी एयर बेस पर ड्रोन से हमला किया। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पेसाच ओसिना ने उन्हें लोगों के लिए सचमुच एक तोहफा बताया। उन्होंने कहा कि वह सेवा करना, दूसरों की रक्षा करना और साहस और विनम्रता के साथ अपना कर्तव्य निभाना चाहती थीं।

ओसिना ने X पर कहा कि इस त्रासदी के बाद से वह सार्जेंट के पिता बासदेव रामप्रसाद और उनकी मां कैरोल एसेवेडो सहित उनके परिवार के करीब हैं।

**फास्ट न्यूज**

### सोना 274 बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 23 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 360 रुपए बढ़कर 2.26 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 274 रुपए चढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। 4 दिन में सोना 4,398 रुपए और 10,346 रुपए चांदी महंगी हो चुकी है।

### अमेरिका में चीनी ऑटो कंपनियों के खिलाफ वाले विधेयक को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट की वाणिज्य समिति ने चीनी ऑटोमोबाइल निर्माताओं पर शिकंजा कसने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस नए और कड़े विधेयक के दायरे में आने से जर्मन लग्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज के अमेरिकी बाजार में वाहनों की बिक्री पर बड़ा संकट मंडराने लगा है, क्योंकि कंपनी में करीब 20% चीनी निवेश है। इस बिल को सीनेटर बर्नी मोरेनो और एलिसा स्लोटकिन द्वारा संयुक्त रूप से आगे बढ़ाया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य अमेरिकी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के बुनियादी ढांचे को बचाना और चीनी कंपनियों को अमेरिकी बाजार से पूरी तरह दूर रखना है।

### आईटीआर फाइलिंग के लिए 10 दिन से कम का टाइम बचा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइन करने के लिए 10 दिन से भी कम का टाइम बचा है। 22 जुलाई तक 3 करोड़ से ज्यादा लोग ITR फाइल कर चुके हैं। आम टैक्सपेयर्स के लिए रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें ITR भरने की जरूरत नहीं है ।

## देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

### एफएसडीए उत्तर प्रदेश की बड़ी अंतरराज्यीय कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

जनस्वास्थ्य एवं मानव जीवन से खिलवाड़ करने वाले नकली दवा फर्म/विक्रेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA), उत्तर प्रदेश, मुख्यालय से गठित, जिसमें आशुतोष मिश्रा (औषधि निरीक्षक आगरा), गौरव लोधी (औषधि निरीक्षक मेरठ मण्डल/अतिरिक्त प्रभार मुख्यालय) व नीलेश शर्मा (औषधि निरीक्षक आगरा) की विशेष टीम ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के सहयोग तथा उत्तराखंड FSDA अधिकारियों के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय संगठित गिरोह का पता लगा कर देहरादून (उत्तराखंड) में अवैध रूप से संचालित नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री को पकड़ा है।

19.07.2026 को थाना अमीनाबाद, जनपद लखनऊ में नकली औषधियों के भंडारण व क्रय-विक्रय किए जाने पर 8 अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत मु०अ०सं० 0056 के अंतर्गत जप्त 43 प्रकार की नकली दवाओं के संबंध इस गिरोह से जुड़े थे।

इस गोपनीय सूचना कि इस गिरिह का एक मुख्य आरोपी राजेन्द्र उर्फ टुंडा जनपद गाज़ियाबाद में है, पर FSDA, मुख्यालय से विशेष प्रवर्तन टीम का गठन कर करिमे ब्रांच गाज़ियाबाद का सहयोग प्राप्त किया गया ।

जनपद गाजियाबाद में मुख्य संलिप्त अभियुक्त की गिरफ़्तारीः

दिनांक 22/07/2026 को गाजियाबाद स्थित के०डब्ल्यू० मॉल (KW Mall), राजनगर एक्सटेंशन के पास से गिरोह के मुख्य वितरक राजेन्द्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा (निवासी रुड़की, हरिद्वार) को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

## चोरी के टंगस्टन ऑक्साइड पाउडर के 10 पैलेट ले जाते हुए दीपक की गिरफ्तारी की गई

# तीन मिलियन डॉलर के चोरी के सामान के साथ अमेरिका में भारतीय गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में 3 मिलियन डॉलर (लगभग 27.5 करोड़ रुपये) मूल्य के चोरी किए गए टंगस्टन ऑक्साइड पाउडर के साथ 31 वर्षीय अवैध भारतीय अप्रवासी दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

पेनसिल्वेनिया में 'आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन' (ICE) की कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया यह आरोपी एक ट्रक चला रहा था। कार्रवाई के दौरान उसके पास से कैलिफोर्निया का कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस और कई फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पेनसिल्वेनिया में आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (ICE) की कार्रवाई के दौरान पकड़े गए इस ड्राइवर के पास कैलिफोर्निया का वाणिज्यिक लाइसेंस और फर्जी

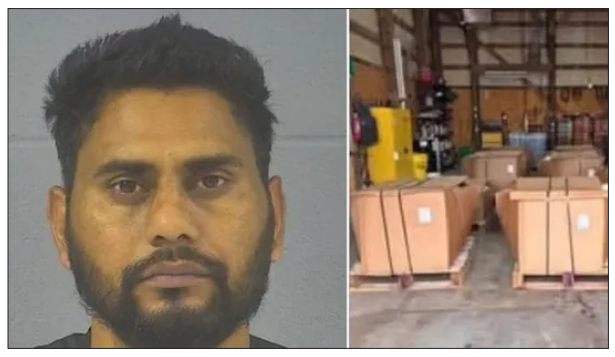

दस्तावेज पाए गए। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह पाउडर मित्सुबिशी मैटेरियल्स कॉर्पोरेशन का था और इसे 24 जून को ले जाया जाना था। ले जाने में एक दिन की देरी हुई और सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन 26 जून को कंपनी ने कहा कि वे ड्राइवर से संपर्क नहीं कर पा रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने 27 जून को कुमार के ट्रक का पता लगाने के लिए फ्लॉक कैमरे (एक विशेष स्वचालित लाइसेंस प्लेट रीडर (ALPR) उपकरण) का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि जब उन्होंने चालक को पकड़ा, तो उसने जांचकर्ताओं को पहचान के तीन दस्तावेज दिए, एक अमान्य वर्क वीजा, न्यूयॉर्क राज्य

**ट्रंप की टीम का आरोप है कि गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने कैलिफोर्निया को अवैध प्रवासियों के लिए सुरक्षित ठिकाना (सैंक्चुअरी स्टेट) बना दिया है। उनके मुताबिक, नियमों में दी गई इस ढील की वजह से सुरक्षा व्यवस्था में एक खतरनाक कमी उत्पन्न हो गई है।**

**चोरी के टंगस्टन ऑक्साइड पाउडर के 10 पैलेट ले जाते हुए दीपक की गिरफ्तारी की गई, इस पाउडर की कीमत 2,857,500 डॉलर (लगभग 27.59 करोड़ रुपये) थी। इसका उपयोग कवच भेदी गोलियों, सिरेमिक, लेजर, ऑप्टिकल उत्पादों और उच्च तकनीक वाली खिड़कियों में किया जाता है।**

### कैलिफोर्निया की आलोचना

आरोपी भारतीय ड्राइवर के पास कैलिफोर्निया का कमर्शियल (व्यावसायिक) ड्राइविंग लाइसेंस था। इस वजह से कैलिफोर्निया की डेमोक्रेट सरकार की नीतियों पर सवाल उठ रहे हैं।

क्योंकि कैलिफोर्निया में एक ऐसा नियम है जिसके तहत प्रवासियों (इमिग्रेंट्स) को अस्थायी संघीय वर्क परमिट (EAD) के आधार पर भी ट्रकों और भारी वाहनों का कमर्शियल लाइसेंस दे दिया जाता है।

का एक फर्जी लाइसेंस और कैलिफोर्निया का एक वैध ड्राइविंग लाइसेंस। इसके बाद दीपक को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और आईसीई की हिरासत में कैलिफोर्निया के मैकफारलैंड भेज दिया गया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कुमार ने खेप चुराई या संचार संबंधी समस्याओं के कारण इसमें देरी हुई।

## कहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

# फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है।

एसोसिएटेड प्रेस (AP) के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि

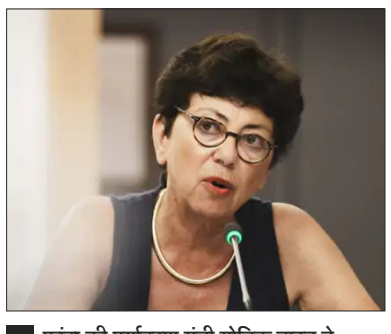

फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने 9 महीने पहले पद संभाला था।

ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना।

**बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा,पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।**

### आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान

इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके।

बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है।

सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है।

## 'अगर हम तेल नहीं बेच सकते तो कोई और भी नहीं बेच पाएगा'

### ईरान की चेतावनीः तेल नहीं बेच पाए तो कोई और नहीं बेचेगा

तेहरान, एजेंसी

ईरान की संसद के स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने चेतावनी दी है कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट के हालात को युद्ध से पहले वाली स्थिति में नहीं लौटने देगा। उन्होंने कहा कि इस स्ट्रेट की सुरक्षा तभी बनी रह सकती है जब इस इलाके में अमेरिकी सेनाएं न हों। गालिबाफ ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान को अपना कच्चा तेल बेचने की इजाजत नहीं मिली तो वह किसी भी खाड़ी देश को अपना तेल नहीं बेचने देगा।

एक्स पर एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि यह टकराव अब ₹सब कुछ या कुछ नहीं₹ वाली स्थिति बन गया है। उन्होंने लिखा, ₹जिस इलाके में हम तेल नहीं बेचते वहां कोई और भी तेल नहीं बेचेगा। अगर हमारी सुरक्षा पक्की नहीं हुई तो कोई भी इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षित नहीं रहेगा और इस स्ट्रेट की सुरक्षा अमेरिकी

**होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा अमेरिकी सेनाओं की अनुपस्थिति में ही**

सेनाओं के न होने में ही है। हमने बार-बार कहा है कि इस स्ट्रेट के हालात युद्ध से पहले वाली स्थिति में वापस नहीं आएंगे।

वहीं, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश जैसे को तैसा वाली रक्षा नीति अपनाएगा। उन्होंने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया, ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता का जबरदस्त और निर्णायक जवाब दिया जाएगा।

**योजना :** भारत-चीन के राजदूतों से मिलने का किया एलान ■ तोड़ा खुद का बनाया नियम

# नेपाल के पीएम बालेन शाह का यू-टर्न

- पीएम बालेन शाह भारत-चीन राजदूतों से मिलेंगे।
- संबंधों में संतुलन बनाने के लिए नियम तोड़ेंगे।
- नेपाल की विदेश नीति में नया बदलाव।

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह भारत और चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने के लिए काठमांडू में मौजूद राजदूतों के साथ आमने-सामने की बैठक न करने के अपने ही बनाए नियम को तोड़ने जा रहे हैं।

पीएम शाह इस हफ्ते भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग बैठक करने की योजना बना रहे हैं। द काठमांडू पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि यह दिखाने के लिए कि नेपाल नई दिल्ली और बीजिंग को बराबर महत्व देता है, शाह एक ही दिन भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मुलाकात करेंगे। हालांकि अभी तक सही तारीखों का एलान नहीं हुआ है लेकिन नेपाल में सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि जल्द ही इसकी पुष्टि होने की संभावना है। यह फैसला बालेन शाह सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे होने के एक महीने से ज्यादा समय बाद लिया गया है।

### बालेन शाह ने क्या नियम बनाया था?

जेन-जी (Gen Z) के विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में आने के बाद से नेपाल के प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही राजनयिक परंपराओं से हटकर विदेशी दूतों से अलग-अलग मिलने से इनकार कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने काठमांडू में तैनात राजदूतों के साथ दो बार संयुक्त राजनयिक बैठकें की हैं। उन्होंने राजनयिक अपवाद तब किया जब जुलाई की शुरुआत में नेपाल की अपनी तीन दिन की यात्रा के दौरान वे एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रेसिडेंट मासातो कांडा से मिले। काठमांडू की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शाह ने हाल ही में व्यापारियों, ठेकेदारों, उद्योगपतियों और निर्यातकों सहित कारोबारी समुदाय के साथ नियमित रूप से बातचीत करना भी शुरू कर दिया है।

**राजनयिक परंपरा यह रही है कि हर नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ ही दिनों के भीतर प्रधानमंत्री कार्यालय या अपने सरकारी आवास पर विदेशी राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करता है।**

## कोविड में पीपीई किट के पैसों से उड़ाई मौज, खरीदी पोर्श और रोलेक्स

### ब्रिटेन में भारतीय मूल के पति-पत्नी दोषी करार

लंदन। UK में भारतीय मूल के एक कपल ने COVID महामारी के दौरान पर्सनल प्रोटेक्टिक इक्विपमेंट (PPE) देने के झूठे दावों का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी तरीके से फंड लॉन्ड्रिंग करने का दोषी पाया गया है। जोगेश भंडारी (59) और मीनाक्षी भंडारी (58) को धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में दोषी ठहराया गया है।

उनके सहयोगी 43 साल के क्रेग मॉरिस को भी 2020 और 2021 के कपल की कंपनी की ओर से कई धोखाधड़ी वाले सौदों में शामिल होने का दोषी पाया गया है। तीनों को 21 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी।

UK की नेशनल क्राइम एजेंसी NCA के ऑपरेशन्स मैनेजर पॉल बोनिफेस ने कहा, COVID-19 महामारी दुनिया के लिए अनिश्चितता का समय था, और PPE इक्विपमेंट की जरूरत अचानक बढ़ गई थी। इससे भंडारी

और मॉरिस जैसे धोखेबाजों को बिजनेस को टारगेट करने और अपनी जेबें भरने का मौका मिला।

NCA के मुताबिक, भंडारी 2020 में महामारी के दौरान नाइट्राइल ग्लव्स खरीदने और बेचने के लिए बनाई गई एक कंपनी का मालिक था। उसने संभावित सप्लायर्स को 125 मिलियन डॉलर तक के नकली बैंक स्टेटमेंट और अटेस्टेशन लेटर दिए ताकि बिज़नेस को उसके साथ ट्रेड करने के लिए मनाया जा सके। एजेंसी ने बताया कि भंडारी की पहली धोखाधड़ी नवंबर 2020 में शुरू हुई, जब वह 12 मिलियन बॉक्स ग्लव्स देने की डील पर सहमत हुआ।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676